मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 295
सोमवार, 19 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में आग लगने से 17 लोगों की मौत

**हैदराबाद, 18 मई।** हैदराबाद के चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें चार बच्चों समेत 17 लोगों की मौत हो गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी और ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। दमकल विभाग ने खोज और बचाव अभियान चलाकर 17 लोगों को बचा लिया और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतकों की पहचान प्रहलाद (70), मुन्नी (70), राजेंद्र (65), सुमित्रा (60), हमी (7), अभिषेक (31), शीतल (35), प्रियंस (4), इराज (2), आरुषि (3), ऋषभ (4), प्रथम (1), अनुयान (3), वर्षा (35), पंकज (36), रज्जिनी (32), इद्दू (4) के रूप में हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग लगने का संदिग्ध कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। साथ ही, संपत्ति का मूल्य अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, घटनास्थल पर मौजूद केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने दावा किया कि दुर्घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई, जिससे आपातकालीन प्रतिक्रिया में कमी उजागर हुई।

रेड्डी ने कहा, 'दुर्घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई। दुर्घटना में कई लोगों की मौत हो गई है। कुछ घायल हो गए हैं। मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूं, लेकिन चूंकि हैदराबाद एक तेजी से विकसित हो रहा शहर है, इसलिए पुलिस, नगर निगम,

अग्निशमन और बिजली विभागों को मजबूत किया जाना चाहिए।'

अग्निशमन विभाग ने आगे कहा कि बचाव अभियान में उन्नत फायर रोबोट और ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया।

तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर भी चल रहे अभियान की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे। चारमीनार के पूर्व विधायक और एआईएमआईएम नेता मुमताज अहमद खान भी घटनास्थल पर मौजूद थे।

आग दुर्घटना के बारे में बात करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा, 'आग सुबह 6:00 बजे के आसपास लगी और 6:16 बजे तक तेलंगाना अग्निशमन विभाग घटनास्थल पर पहुंच गया था। उन्होंने सभी को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से आग पहले ही व्यापक रूप से फैल चुकी थी। इमारत के अंदर मौजूद ज्यादातर लोगों की जान चली गई।'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर एक पोस्ट में इस त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, 'तेलंगाना के हैदराबाद में आग की त्रासदी के कारण लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक पीड़ित के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

## तीसरे चरण में दबाव की समस्या के कारण पृथ्वी अवलोकन मिशन पूरा नहीं हो सका: इसरो प्रमुख

**नई दिल्ली, 18 मई।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)-सी61 रॉकेट के तीसरे चरण में दबाव संबंधी समस्या के कारण पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का रविवार को प्रक्षेपण नहीं कर सका। अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का यह 101वां मिशन था।

पीएसएलवी ने पूर्वनिर्धारित समय सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर उड़ान भरी लेकिन मिशन के उद्देश्य पूरे नहीं हो सके। नारायणन ने कहा, आज हमारा श्रीहरिकोटा से पीएसएलवीसी61 ईओएस-09 मिशन के तहत 101वें प्रक्षेपण का लक्ष्य था।

पीएसएलवी चार चरण वाला यान है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था। तीसरे चरण की मोटर सही से चालू हो गई थी लेकिन इस चरण के संचालन के दौरान मिशन पूरा नहीं हो सका...। तीसरा चरण एक ठोस मोटर प्रणाली है।

नारायणन ने कहा, मोटर केस के चैम्बर दबाव में गिरावट आई और मिशन पूरा नहीं हो सका। हम पूरे प्रदर्शन की समीक्षा कर रहे है तथा जल्द ही और जानकारी देंगे। पीएसएलवी को अपने 63वें मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-09) को लेकर जाना था। पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-09 वर्ष 2022 में प्रक्षेपित किए गए ईओएस-04 जैसा ही एक उपग्रह है। सी-बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार से लैस ईओएस-09 मौसम की सभी परिस्थितियों में किसी भी समय पृथ्वी की सतह की उच्च-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें लेने में सक्षम है।

## बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने के लिए विशेष बल गठित करे सरकार: चंपई सोरेन

**रांची, 18 मई।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया।

चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है।

चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक

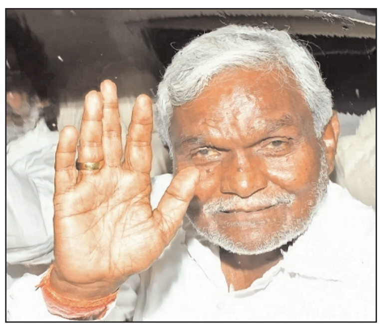

कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं।

उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी घुसपैठियों के कारण बदल रही है। चंपई सोरेन ने कहा, मैंने लगातार इस मुद्दे और धर्म परिवर्तन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन इन गंभीर मामलों पर चुप है। घुसपैठिए आदिवासियों और मूल निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं। भाजपा नेता चंपई सोरेन ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं अब सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर गलत काम करने वालों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया।

## मंत्री रविन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

- **250 फीट लंबा तिरंगा बना आकर्षण का केंद्र**
- **स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों के हाथों में लहराता रहा तिरंगा**

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** रविवार को वाराणसी में उत्तर प्रदेश सरकार के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा मलदहिया स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा से प्रारंभ होकर गुलाब बाग होते हुए आईपी मॉल से भारत माता मंदिर तक गई।

तिरंगा यात्रा में भारत के गौरव, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक बना 250 फीट लंबा राष्ट्रीय ध्वज आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त, 2030 फीट का एक और विशाल तिरंगा भी यात्रा में शामिल था, जिसे स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में थाम रखा था। यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम्₹ जैसे गगनभेदी नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

यात्रा की शुरूआत मंत्री रविन्द्र जायसवाल द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान पुलिस, पीएसी, होमगार्ड्स, पीआरडी, एनडीआरएफ के जवानों समेत उत्तर विधानसभा क्षेत्र के हजारों नागरिक मौजूद रहे। भारत माता मंदिर पहुंचकर उपस्थित लोगों ने

यह शपथ ली–

सौगंध भारत मां की खाते हैं, पीओके को लेकर रहेंगे।

भारत माता मंदिर में सैनिकों को सम्मानित करते हुए मंत्री जायसवाल ने कहा कि, ₹हमारे सैनिक रेगिस्तान की तपिश से लेकर सियाचिन के ग्लेशियर तक कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। जब वे सरहदों पर खड़े होते हैं, तभी हम अपने घरों में सुरक्षित रहते हैं। हमें अपनी सेनाओं के अदम्य साहस और शौर्य पर गर्व है। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सेनाओं ने दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया और देश की सुरक्षा में नया मानक स्थापित किया है। मंत्री ने भारत माता मंदिर में स्थित अखंड भारत के मानचित्र के महत्व को भी विस्तार से बताया। इस मौके पर पार्षदगण, भाजपा कार्यकर्ता, महिला शक्ति, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है मोदी सरकार: कांग्रेस

**नई दिल्ली, 18 मई।** कांग्रेस ने विदेश जाने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों के लिए सरकार द्वारा नाम जारी किए जाने के बाद शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे, जिनमें से चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ दलों के नेता जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे।कांग्रेस ने जिन चार नेताओं के नाम दिए थे उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा को सरकार द्वारा जारी सूची में जगह मिली है। प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले विपक्षी नेताओं में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम प्रमुख

है, हालांकि पार्टी ने जिन चार नेताओं की सूची सरकार को सौंपी है उनमें थरूर का नाम नहीं था।कांग्रेस का कहना है कि उसकी तरफ से सिर्फ चार नेताओं आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के नाम सरकार को दिए गए थे।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा, 16 मई की सुबह, मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों/नेताओं के नाम मांगे, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया जाना था।कांग्रेस संसदीय दल की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 16 मई को दोपहर 12 बजे तक चार नाम संसदीय कार्य मंत्री को लिखित रूप में भेज दिया था। उन्होंने कहा कि आज देर रात (17 मई) इन सभी प्रतिनिधिमंडलों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है।अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दशार्ता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है।उन्होंने कहा, मोदी सरकार की ओर से शामिल किए गए कांग्रेस के चार सम्मानित सांसद/नेता निश्चित रूप से प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे और अपनी भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री और भाजपा के इस स्तरहीन आचरण तक नहीं गिरेगी। पार्टी इन सभी प्रतिनिधिमंडलों को अपनी शुभकामनाएं देती है।उन्होंने कहा, हालांकि, यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि ये प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस पार्टी की उन प्रमुख मांगों से ध्यान न भटकाएं, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठकें बुलाने की मांग और संसद का विशेष सत्र आयोजित कर 22 फरवरी 1994 को पारित किए गए प्रस्ताव की पुनः पुष्टि करने और उसके बाद हुए घटनाक्रमों को ध्यान में रखने की आवश्यकता शामिल है।

## महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में फैक्टरी में आग लगने से आठ लोगों की मौत

**सोलापुर।** महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को एक फैक्टरी में भीषण आग लग जाने के कारण तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सोलापुर एमआईडीसी के अक्कलकोट रोड पर स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में तड़के करीब 3:45 बजे आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट लग रहा है। घटनास्थल मुंबई से तकरीबन 400 किलोमीटर की दूरी पर है।

मृतकों में फैक्टरी मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी,

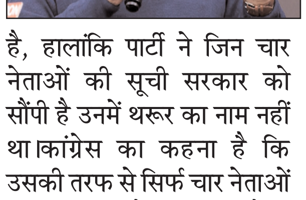

उनके डेढ़ वर्षीय पोते सहित परिवार के तीन सदस्य और चार श्रमिक शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आग इतनी भीषण थी कि दमकल कर्मियों को इसकी लपटों पर काबू पाने में पांच से छह घंटे का वक्त लगा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर अग्निशमन कार्य जारी है।

## तमिलनाडु में वैन के कुएं में गिरने से पांच लोगों की मौत

**तमिलनाडु।** तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में आठ लोगों को ले जा रही एक वैन के सड़क किनारे कुएं में गिर जाने के कारण पांच लोगों की मौत हो गयी। अधिकारी ने यहां इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वाहन के कुएं में गिरने के बाद तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले में सथानकुलम के पास हुई, जब वे कोयंबटूर से एक चर्च कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि मीरानकुलम गांव के पास चालक ने वैन पर से नियंत्रण खो दिया और यह सड़क किनारे एक कुएं में गिर गया।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

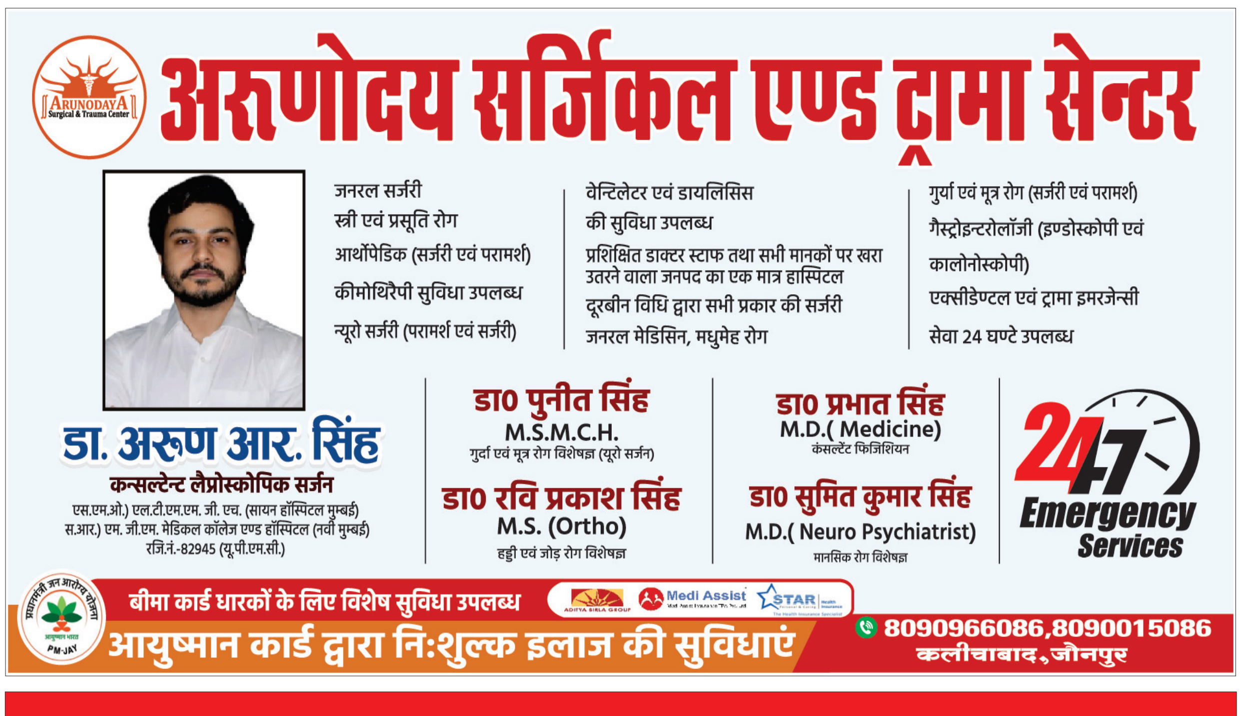

# गणि राजेन्द्र विजयः दांडी पकडे. गुजरात के उभरते हुए गांधी

-ललित गर्ग

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों संत-मनीषियों, धर्मगुरुओं, ऋषियों ने भी अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, इन महापुरुषों ने धर्म के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी स्वर बुलंद किए। ऐसे ही विलक्षण एवं अलौकिक संतों में एक नाम है गणि राजेन्द्र विजयजी। वे आदिवासी जनजाति के होकर भी जैन संत हैं, और जैन संत होकर भी आदिवासी जनजीवन के मसीहा संतपुरुष हैं। वे आदिवासी जनजीवन का एक उजाला है, जो पिछले पांच दशक से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनके उन्नयन एवं उत्थान के लिये संघर्षरत हैं। 19 मई 2025 को गणिजी अपने जीवन के 51वें बसंत में प्रवेश कर रहे हैं।

डॉ. गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर विशेष जागरूक हैं, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वहीं कन्या शिक्षा के लिये वे ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला का संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी किसानों को समृद्ध बनाने एवं उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिये उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में सुखी परिवार ग्रामोद्योग को स्थापित किया है। इनदिनों वे आदिवासी क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय बनाने की योजना पर कार्यरत है। वे अखिल भारतीय सनातन संत समाज के संगठन में आदिवासी क्षेत्र के संतत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे आदिवासी अधिकारों के लिये व्यापक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं, उनका आत्म-सम्मान जगा रहे हैं। गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की मोटी सूची में मानवीय संवेदना की सौंधी-सौंधी महक फूट रही है। लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन रहे हैं, लेकिन गणि राजेन्द्र विजयजी की प्रेरणा से कुछ जीवट वाले व्यक्तित्व शहरों से गांवों की ओर जा रहे हैं। मूल को पकड़ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे-ह्यभारत की आत्मा गांवों में बसती है। शहरीकरण के इस युग में इन्सान भूल गया है

कि वह मूलतः आया कहां से है? जिस दिन उसे पता चलता है कि वह कहां से आया है तो वह लक्ष्मी मित्तल बनकर भी लंदन से आकर, करोड़ों की गाड़ी में बैठकर अपने गाँव की कच्ची गलियों में शांति महसूस करता है। स्कूल, हॉस्पीटल व रोजगार के केन्द्र स्थापित कर सुख का अनुभव करता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी टेढ़े-मेढ़े, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए, संकरी-पतली पगडंडियों पर चलकर सेवा भावना से भावित जब उन गरीब आदिवासी बस्तियों तक पहुंचते हैं तब उन्हें पता चलता है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीने के मायने क्या-क्या हैं? कहीं भूख मिटाने के लिए दो जून की रोटी जुटाना सपना है, तो कहीं सर्दी, गर्मी और बरसात में सिर छुपाने के लिए झौपड़ी की जगह केवल नीली छतरी (आकाश) का घर उनका अपना है। कहीं दो औरतों के बीच बंटी हुई एक ही साड़ी से बारी-बारी तन ढ़क कर औरत अपनी लाज बचाती है तो कहीं बीमारी की हालत में इलाज न होने पर जिंदगी मौत की ओर सरकती जाती है। कहीं जवान विधवा के पास दो बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी तो है पर कमाई का साधन न होने से जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर होती है, तो कहीं सिर पर मर्द का साया होते हुए भी शराब व दुर्व्यसनों के शिकारी पति से बेवजह पीटी जाती हैं इसलिए परिवार के भरण-पोषण के लिए मजबूरन सरकार के कानून को नजरंदाज करते हुए बाल श्रमिकों की संख्या चोरी छिपे बढ़ती ही जा रही है। कहीं कंठों में प्यास है पर पीने के लिए पानी नहीं, कहीं उपजाऊ खेत है पर बोने के लिए बीज नहीं, कहीं बच्चों में शिक्षा पाने की ललक है पर माँ-बाप के पास फीस के पैसे नहीं, कहीं प्रतिभा है पर उसके पनपने के लिए प्लेटफॉर्म नहीं।

कैसी विडंबना है कि ऐसे आदिवासी गांवों में न सरकारी सहायता पहुंच पाती है न मानवीय संवेदना। अक्सर गांवों में बच्चे दुर्घटनाओं के शिकार होते ही रहते हैं पर उनका जीना और मरना राम भरोसे रहता है, पुकार किससे करें? माना कि हम किसी के भाग्य में आमूलचूल परिवर्तन ला सकें, यह संभव नहीं। पर हमारी भावनाओं में सेवा व सहयोग की नमी हो और करुणा का रस हो तो निश्चित ही कुछ परिवर्तन घटित हो सकता है। लेकिन अब आदिवासी जन-जीवन की तस्वीर बदल रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिये अनेक योजनाओं को लेकर सक्रिय है। उनको गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे परोपकारी एवं समाज-निमार्ता संतों पर भरोसा है। तभी वे अक्सर सार्वजनिक मंचों एवं कार्यक्रमों में गणिजी को याद करते हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए ऑनलाइन कांवट की आदिवासी महिलाओं से बात करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह और आत्मीयता के साथ याद किया, वह दृश्य पूरे देश ने देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। इसी तरह पूर्व लोकसभा चुनावी सभाओं में भी मोदी ने गणि राजेन्द्र विजयजी के द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। मोदी द्वारा इस तरह से इस पुण्य पुरुष को याद करना हमें उनके गौरव और अस्तित्व का अहसास कराता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपनी पदयात्राओं में आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार-निर्माण, नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगा रहे हैं। इन यात्राओं का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। त्याग, साधना, सादगी, प्रबुद्धता एवं करुणा से ओतप्रोत आप आदिवासी जाति की अस्मिता की सुरक्षा के लिए तथा मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। मानो वे दांडी पकडे.गुजरात के उभरते हुए ह्यगांधीह्ल हैं। इसी आदिवासी माटी में 19 मई, 1974 को एक आदिवासी परिवार में जन्में गणि राजेन्द्र विजयजी मात्र ग्यारह वर्ष की अवस्था में जैन मुनि बन गये। बीस से अधिक पुस्तकें लिखने वाले इस संत के भीतर एक ज्वाला है, जो कभी अश्लीलता के खिलाफ आन्दोलन करती हुए दिखती है, तो कभी जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों के प्रति मुखर हो जाती है। कभी जल, जमीन, जंगल के अस्तित्व के लिये मुखर हो जाती है। इस संत ने स्वस्थ एवं अहिंसक समाज निर्माण के लिये जिस तरह के प्रयत्न किये हैं, उनमें दिखावा नहीं है, प्रदर्शन नहीं है, प्रचार-प्रसार की भूख नहीं है, किसी सम्मान पाने की लालसा नहीं है, किन्हीं राजनेताओं को अपने मंचों पर बुलाकर अपने शक्ति के प्रदर्शन की अभीप्सा नहीं है। अपनी धून में यह संत आदर्श को स्थापित करने और आदिवासी समाज की शक्ल बदलने के लिये प्रयासरत है और इन प्रयासों के सुपरिणाम देखना हो तो कवांट, बलद, रंगपुर, बोडेली आदि-आदि आदिवासी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। मेरी दृष्टि में गणि राजेन्द्र विजयजी के उपक्रम एवं प्रयास आदिवासी अंचल में एक रोशनी का अवतरण है, यह ऐसी रोशनी है जो हिंसा, आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद जैसी समस्याओं का समाधान बन रही है।

# पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख बताने के लिए बनाए डेलिगेशन में विवाद क्यों?

अशोक भाटिया

केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख बताने के लिए 17 मई को डेलिगेशन बनाए। इसमें कई पार्टियों के नेताओं को शामिल किया गया है। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी वठरउ के सदस्य देशों का दौरा करेगा।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'सबसे बड़े मौके पर भारत एकजुट है। 7 सर्वदलीय डेलिगेट्स जल्द ही बड़े देशों का दौरा करेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई के बारे में बताएंगे। यह राजनीति और मतभेदों से परे हटकर देश की एकता को दिखाने का समय है।'ये सातों डेलिगेशन 23 या 24 मई को 10 दिनों के लिए भारत से रवाना होंगे। वहां बताएंगे कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का दृष्टिकोण क्या है और ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन क्यों और कैसे लिया गया।

संसदीय कार्य मंत्रालय ने शनिवार को डेलिगेशन को लीड करने वाले सांसदों के नाम जारी किए थे । इसमें कांग्रेस से सांसद शशि थरूर का नाम शामिल है। अब कांग्रेस ने कहा है कि उसने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर लिखा, 'शुक्रवार (16 मई) सुबह संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात की थी। उन्होंने विदेश भेजे जाने वाले डेलिगेशन के लिए 4 सांसदों का नाम मांगा था। कांग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ। सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम दिए थे।' कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी पूरी दुनिया को देने वाले प्रतिनिधिमंडल का मेंबर बनाए जाने पर केंद्र सरकार को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा कि वे इस निमंत्रण से ₹सम्मानित₹ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब देश के हित की बात आएगी, तो वे पीछे नहीं हटेंगे।थरूर ने एक बयान में कहा, ₹भारत सरकार ने मुझे पांच महत्वपूर्ण राजधानियों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया है, ताकि हाल की घटनाओं पर हमारे देश का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जा सके, मैं इससे सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जब राष्ट्रीय हित शामिल होगा, और मेरी सेवाओं की आवश्यकता होगी, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।₹

प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर का चयन कांग्रेस के लिए एक नाजुक समय पर हुआ है। हाल ही में उन्होंने सरकार के सैन्य कदमों की तारीफ की थी। सरकार की तारीफ करने पर बीजेपी के नेताओं ने उनकी सराहना की। लेकिन, कांग्रेस पार्टी में ही कुछ लोग उनसे नाराज हैं। थरूर ने कहा था कि सरकार ने संयम से काम लिया। उन्होंने पाकिस्तान और ढङ्क में आतंकियों को निशाना बनाया। 7 मई को हुई कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।थरूर के विचार कांग्रेस पार्टी की सोच से अलग हैं। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगा रही है। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। हाल ही में, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने थरूर के बयानों से किनारा कर लिया। उन्होंने कहा, ₹यह उनकी राय है। जब थरूर साहब बोलते हैं, तो यह पार्टी की राय नहीं होती।

एक समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के कुछ बड़े नेताओं को लगता है कि थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। वे लगातार पार्टी की बातों से अलग राय रख रहे हैं। कांग्रेस के बड़े नेताओं और थरूर के बीच रिश्ते हमेशा बदलते रहे हैं। 2014 में, उन्हें पार्टी के प्रवक्ता पद से हटा दिया गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अच्छी बातें लिखी थीं। 2020 में, वे ॠ23 समूह में शामिल थे। ॠ23 कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह था। इस समूह ने पार्टी में बड़े बदलाव की मांग की थी। ॠ23 के कई नेता अब पार्टी छोड़ चुके हैं। 2022 में, थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। खड़गे को गांधी परिवार का समर्थन था। फिर भी, थरूर को 1,000 से ज्यादा वोट मिले थे। थरूर का कांग्रेस पार्टी के साथ रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कभी वे पार्टी के साथ दिखते हैं, तो कभी अलग राय रखते हैं। अब देखना यह है कि आगे क्या होता है।

यह पहली बार नहीं है, जब केंद्र सरकार किसी मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए विपक्षी नेताओं की मदद लेगी। इससे पहले भी दो बड़े इंसीडेंट्स में ऐसा हो चुका है। 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई हमलों के बाद मनमोहन सरकार ने कई पार्टियों के नेताओं के डेलिगेशन विदेश भेजे थे। उन्होंने पाकिस्तानी आतंकवाद के बारे में पूरी दुनिया को बताया था। 1994 में तब के पीएम नरसिम्हा राव ने कश्मीर मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में डेलिगेशन को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (वठलफ्छ) भेजा था। इसमें फारूक अब्दुल्ला भी शामिल थे।

अब सवाल यह भी उठता है कि मोदी सरकार ने कांग्रेस के दिए नामों को दरकिनार कर शशि थरूर को ही क्यों चुना? उसका उत्तर स्पष्ट है । शशि थरूर ने 1978 से 2007 तक यूनाइटेड नेशन्स यानी वठ में विभिन्न पदों पर काम किया। उनकी वैश्विक मंचों पर बोलने की क्षमता और कूटनीतिक समझ बहुत बेहतर है। थरूर अच्छी अंग्रेजी बोल लेते हैं और अमेरिका-यूके में काफी वक्त गुजारा है। ऐसे में उन्हें भारत के डेलिगेट के तौर पर बेहतर नेता माना जा सकता है। हालांकि उन्हें चुने जाने की यही वजह नहीं है।बताया जाता है कि 'शशि थरूर ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सरकार की प्रशंसा की थी, जो कांग्रेस के बिहेवियर से काफी अलग थी। उन्होंने इसे संयमित और सटीक कार्रवाई बताया, जिससे मोदी सरकार को लगा कि वह भारत की स्थिति को बेहतर ढंग से पेश कर सकते हैं। वहीं, कांग्रेस ने जो 4 नाम दिए थे, वो सभी पाकिस्तान और तुर्किये जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरते आए हैं।

बताया जाता है कि केंद्र सरकार ने जो सात डेलिगेशन गठित किए हैं, जिनमें विभिन्न दलों के 51 सांसद और पूर्व मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय के 8 अधिकारी भी इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं। बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद (दोनों भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके) और सुप्रिया सुले (राकांपा-सपा) के नेतृत्व में ये सातों प्रतिनिधिमंडल कुल 32 देशों और आखिरी में सभी 59 सदस्य बेल्जियम के ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ मुख्यालय का दौरा करेंगे।

इन सातों डेलिगेशन में शामिल सदस्यों में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए के 31 और विपक्षी दलों के 20 सांसद व पूर्व मंत्री हैं। प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में सात या आठ सदस्य शामिल हैं और उन्हें सहयोग देने के लिए हर प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश सेवा के कम से कम एक अधिकारी को अटैच किया गया है। सभी प्रतिनिधिमंडलों में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि है, चाहे वह राजनेता हो या राजनयिक। कांग्रेस द्वारा सुझाए गए चार नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को प्रतिनिधियों की सूची में शामिल किया गया। शेष तीन नाम- गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग- को सूची में शामिल नहीं किया गया है।

शशि थरूर के अलावा कांग्रेस नेता मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। चार नेताओं में से केवल एक को ही स्थान दिए जाने पर कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आपत्ति जताई है। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह नरेंद्र मोदी सरकार की पूर्ण निष्ठाहीनता को साबित करता है तथा गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर उसके द्वारा खेले जाने वाले सस्ते राजनीतिक खेल को दशार्ता है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन, सलमान खुर्शीद और एसएस अहलूवालिया शामिल हैं, जो वर्तमान में संसद सदस्य नहीं हैं। हालांकि, विपक्षी पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार के आग्रह पर शामिल किए गए चार प्रतिष्ठित कांग्रेस सांसद/नेता निश्चित रूप से प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे और अपना योगदान देंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'एक मिशन। एक संदेश। एक भारत। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रमुख देशों से संपर्क करेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दशार्ता है।' कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाती अ रही है कि जिन चार अन्य कांग्रेस नेताओं- शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया गया है, उन्हें पार्टी की मंजूरी के बिना मनमाने तरीके से नामित किया गया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'एक मिशन। एक संदेश। एक भारत। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रमुख देशों से संपर्क करेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दशार्ता है।' ज्ञात हो कि सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व निम्नलिखित सांसद करेंगेः कांग्रेस नेता शशि थरूर, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, जेडीयू नेता संजय कुमार झा, भाजपा नेता बैजयंत पांडा, डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि, एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले और शिवसेना नेता श्रीकांत एकनाथ शिंदे।

# राष्ट्रवाद की मिशाइल से तुर्किए और अजरबैजान पर स्ट्राइक...

-सुरेश गांधी

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का समर्थन करने पर तुर्किए और अजरबैजान के विरुद्ध भारत में आक्रोश है, जिसके चलते शैक्षणिक संस्थानों ने संबंध स्थगित कर दिए हैं और व्यापारियों ने तुर्किए सेब जैसे आयातित माल पर प्रतिबंध लगा दिया है. देखा जाएं तो आंतकवाद के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाएं पाकिस्तान ही नहीं, उसके दोस्तों या यूं कहे भारत-पाकिस्तान के 4 दिन के युद्ध में दुश्मन देशों के चेहरे उजागर हो गए हैं. इस युद्ध में तुर्की, अजरबैजान और चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया है. इन तीनों देशों ने पाकिस्तानी आतंकवाद पर अपने दोहरे चरित्र का प्रदर्शन किया. सबसे ज्यादा शर्मनाक हरकत तो तुर्किए ने की. तुर्किए ने अपने ड्रोन्स से पाककिस्तान की मदद की और भारत के खिलाफ बड़ी साजिश की है. हालांकि, सरकार ने भारत में तुर्किए के सरकारी न्यूज चैनल ट्राई वर्ल्ड का न सिर्फ एक्स अकाउंट बंद करवा दिया है, बल्कि भारतीय सैलानियों और ट्रैवल एजेंसियों ने भी तुर्किए और अजरबैजान पर टूरिज्म स्ट्राइक कर दी है. इस कदम को भारत की नाराजगी के तौर पर देखा गया है. भारत सरकार ने अपने स्तर पर तुर्किए और अजरबैजान को एक संदेश देने की कोशिश कर रही है. इस वक्त सोशल मीडिया पर बायकॉट तुर्किए और बायकॉट अजरबैजान टॉप ट्रेंडिंग में चल रहा है. यानी लोगों ने तय कर लिया है कि वो भारत के दुश्मनों का साथ देने वाले देशों में पैसा बर्बाद नहीं करेंगे. चाहे वो ट्रैवल एजेंसीज हो या गोवा विलास जैसे होटल्स या अन्य, सभी ने तुर्किए और अजरबैजान के लिए बुकिंग बंद कर दी है. और इसके पीछे कोई भावनात्मक आवेग नहीं, बल्कि ठोस भूराजनीतिक कारण हैं। इन दोनों देशों ने कश्मीर मुद्दे पर खुलेआम पाकिस्तान का समर्थन किया है. वह भी ऐसे समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी छवि एक स्थिर, लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

बता दें, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन ने पाकिस्तान की संसद में कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के हवाले से बयान दिया, जिसे भारत ने सीधे तौर पर अपनी संप्रभुता के खिलाफ माना। भारत ने इस हस्तक्षेप को अस्वीकार्य बताते हुए स्पष्ट किया कि यह एक आंतरिक मुद्दा है और कोई भी बाहरी राय या समर्थन, राष्ट्रीय हितों के खिलाफ माना जाएगा। आंकड़े देखें तो इन दोनों देशों में जाकर भारतीय पर्यटक हर साल करोड़ों रुपए लुटाते हैं. पिछले साल ही तुर्किए और अजरबैजान में भारतीय पर्यटक हर साल करोड़ों रुपए लुटाते हैं. पिछले साल ही तुर्किए और अजरबैजान में भारतीय सैलानियों ने 4 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए थे. प्रति व्यक्ति के लिहाज से देखें तो इन दोनों देशों में भारतीय सैलानियों ने 1 लाख रुपये खर्च किया है. ट्रैवल कंपनियों ने तुर्की और अजरबैजान के बुकिंग्स में 60 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की है। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने देशवासियों से अपील की कि वे इन देशों की यात्रा को टालें। इससे अनुमानित 4000 करोड़ तक का नुकसान तुर्की-अजरबैजान को हो सकता है. इसके अलावा कई जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थानों ने भी तुर्की की यूनिवर्सिटीज के साथ अपने सहयोग समझौतों को निलंबित कर दिया है, यह कहते हुए कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। देखा जाएं तो भारत और तुर्की के बीच व्यापार लगभग $12.5 बिलियन है, जिसमें भारत निर्यात में आगे है। दूसरी ओर, अजरबैजान से भारत का $1.65 बिलियन का कच्चा तेल आयात होता है, जो रणनीतिक जरूरत है, पर विकल्प भी मौजूद हैं जैसे सऊदी अरब, रूस, यूएई। भारत की सख्ती एक रणनीतिक संकेत है कि कोई भी राष्ट्र अगर भारत की अखंडता और संप्रभुता पर सवाल उठाएगा, तो उसे आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

राष्ट्रहित के खिलाफ खड़े होने वालों को भारत अब चुपचाप माफ नहीं करेगा। जो देश भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाएंगे, अब उन्हें आर्थिक और कूटनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। यही वजह है कि भारत अब ह्लसॉफ्ट डिप्लोमेसीह्ल नहीं, ह्लसॉलिड जवाबह्ल की नीति पर चल पड़ा है। हाल ही में तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान के साथ खड़े होकर कश्मीर मुद्दे पर बयान देना, भारत को रास नहीं आया और इसका परिणाम अब इन दोनों देशों को भारी पड़ रहा है। भारत से तुर्की को निर्यात $8.4 बिलियन है, इनमें ऑटोमोबाइल्स और कलपुजे, जैविक रसायन और डाई, आयरन और स्टील, कपड़ा, कालीन और गारमेंट्स, कृषि उत्पाद (चाय, मसाले) निर्यात करता है, जबकि तुर्की से भारत को आयात $4.1 बिलियन है। इसमें खनिज, मशीनरी, क्रूड ऑयल, सोडा ऐश (कांच बनाने में इस्तेमाल), फर्टिलाइजर, प्लास्टिक कच्चा माल आदि आयात करता है। भारत और अजरबैजान व्यापार $1.8 बिलियन है। भारत को तुर्की से व्यापार में लाभ है। अगर यह बंद हुआ, तुर्की की फैक्ट्रियाँ और पर्यटन उद्योग ताश के पत्तों की तरह बिखर सकते हैं। हालांकि क्रूड ऑयल के लिए भारत के पास सऊदी, रूस जैसे विकल्प हैं। यही वजह है कि टूरिज्म के लिए भारतीय पर्यटक अब भारत, यूरोप, और दक्षिण एशिया के दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। वैसे भी जब राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाए, तो व्यापार, पर्यटन और सहयोग की पुनः समीक्षा आवश्यक हो जाती है।

खास यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल के बीच ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी तुर्की और अजरबैजान का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान किया है। एसोसिएशन का कहना है कि इन दोनों देशों का रवैया भारत के खिलाफ है। इसलिए अब उनसे जुड़ी किसी भी फिल्मी गतिविधि में भाग नहीं लिया जाएगा। इस फैसले को देशभक्ति और एकजुटता का प्रतीक बताया गया है। एसोसिएशन ने सरकार के हर कदम के साथ खड़े रहने की बात भी कही है और सरकार से इन देशों के सभी कलाकारों का वीजा रद्द करने की भी मांग की है। साथ ही भविष्य में वीजा न देने की अपील भी की है। राष्ट्र के लिए इसे कड़ा संदेश माना जा रहा है। एआइसीडब्ल्यूए ने बॉलीवुड और सभी क्षेत्रीय फिल्म इंडस्ट्री से अपील करते हुए कहा है कि कोई भी कलाकार या निमार्ता तुर्की और अजरबैजान में शूटिंग के लिए न जाए। इन देशों से प्रायोजित किसी भी कार्यक्रम या इवेंट में हिस्सा न लें। तुर्की और अजरबैजान के कलाकारों या फाइनेंसर के साथ कोई भी प्रोजेक्ट न करें। मतलब साफ है ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देकर तुर्की और अजरबैजान ने खुद के पैर पर कुल्हाड़ी नहीं, बल्कि कुल्हाड़ी पर अपना पैर रख दिया है. तुर्की ने भारत पर हमला के लिए पाकिस्तान को 300 से अधिक ड्रोन दिए और अपने सैनिक भी भेज दिया. दोनों देशों ने पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है. भारत से पंगा लेना दोनों ही देशों को भारी पड़ सकता है. इसका असर भी दिखने लगा है. लोग तेजी से अपना ट्रिप कैंसिल कर रहे हैं. भारतीय पर्यटकों ने दोनों देशों में जाने से इनकार कर दिया है. दोनों देशों का वही हाल होने वाला है, जो पर्यटकों के बहिष्कार के बाद मालदीव का हुआ था.ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पूर्व अध्यक्ष ज्योति मयाल ने बताया, ह्लभारत से तुर्की और अजरबैजान के लिए की गई 50 फीसदी बुकिंग रद्द हो गई हैं. हमने पर्यटन क्षेत्र में तुर्की और अजरबैजान की बहुत मदद की है और उनका समर्थन किया है. हमें इस बात पर अपनी नाराजगी जाहिर करनी चाहिए कि उन्होंने भारत के साथ कैसा व्यवहार किया है. हम इन देशों की यात्रा का विरोध कर रहे हैं.ह्ल पाकिस्तान को तुर्की के सैन्य समर्थन पर, तुर्की में भारत के पूर्व राजदूत संजय पांडा ने कहा, ह्लहमें यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि ऐसा नहीं है कि तुर्की पाकिस्तान को ड्रोन उपहार में दे रहा है. पाकिस्तान तुर्की ड्रोन का एक बड़ा खरीदार है. तुर्की इसका व्यापक रूप से मार्केटिंग करता है. ड्रोन के अलावा, अन्य सैन्य उपकरण भी हैं जो तुर्की वाणिज्यिक आधार पर पाकिस्तान को देता रहा है. पाकिस्तान ने तुर्की से 4 एमआइएलजीइएम श्रेणी के कोरवेट खरीदे हैं. तुर्की से पाकिस्तान को जो भी समर्थन मिला है, वह चीन से मिलने वाले समर्थन की तुलना में बहुत कम है. पिछले साल, उसने तुर्की से लगभग 5-6 मिलियन डॉलर के सैन्य उपकरण खरीदे थे. तुर्की और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार करने के आह्वान पर चैंबर ऑफ कॉमर्स की पर्यटन समिति के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा, ह्लयह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब तुर्की में भूकंप आया था, तो हमने वहां बहुत मदद की थी. हमने अपने डॉक्टर, डॉग स्क्वॉड और मेडिकल स्क्वॉड भी भेजे थे. हमने इसे ऑपरेशन दोस्त नाम दिया था. हम सोच भी नहीं सकते थे कि तुर्की ऐसा कदम उठाएगा और वह हमारे दुश्मन के साथ मिलकर सब कुछ करेगा. ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया और बाकी ट्रैवल एसोसिएशन ने तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार का समर्थन किया है.

**भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाते हुए पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह किया है, जिसके बाद पाकिस्तान दुनिया के सामने गिड़गिड़ा रहा है. हालांकि, अब भारत और पाकिस्तान में सीजफायर हो चुका है, लेकिन सरकार के मुताबिक, आतंक के खिलाफ ये ऑपरेशन अब भी जारी है. इस बीच, पाकिस्तान को तुर्की और अजरबैजान ने समर्थन दिया था. सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए तुर्की के 350 से ज्यादा ड्रोन का इस्तेमाल किया. कहा जा रहा है कि भारत पर ड्रोन हमले कराने में तुर्की की सेना ने पाकिस्तान की मदद की. यह वही तुर्की है, जब वहां भूकंप जैसी आपदा आई थी, तब भारत ने इसकी मदद की थी. अब देशभर में तुर्की और अजरबैजान के बॉयकॉट का ट्रेंड चल रहा है. भारत के व्यापारी और आम जनता के मन में तुर्की और अजरबैजान को लेकर गुस्सा है. तुर्की से सेब खरीदने से लेकर ट्रैवेल तक सभी चीजों का विरोध किया जा रहा है. बॉयकॉट करने में ट्रैवल सेक्टर्स सबसे आगे है. मतलब साफ है, जो भारत के खिलाफ खड़ा होगा, वो भारत के साथ व्यापार, सम्मान और सहयोग तीनों खो देगा। तुर्की और अजरबैजान अब इसका ताजा उदाहरण हैं। यह बहिष्कार मुख्यतः पर्यटन, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्रों में देखा जा रहा है। हालांकि, इन देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध सीमित हैं, फिर भी यह बहिष्कार एक मजबूत संदेश देने के रूप में देखा जा सकता है**

## चीनी प्रोडक्ट को लेकर पहले से अभियान चला रहा कैट

चीन को लेकर कैट पिछले कई वर्षों से चीनी प्रोडक्ट का बहिष्कार करने का अभियान चलाए हुए है, जिसका व्यापक असर पड़ा है. अब तुर्किए और अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार को लेकर कैट ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों समेत तमाम अन्य संबंधित वर्गों से सम्पर्क कर इस अभियान को तेज करेगा. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चैक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा है यदि भारतीय नागरिक तुर्किए और अजरबैजान की पाकिस्तान के प्रति समर्थन के विरोध में इन देशों की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो इसका इन देशों की अर्थव्यवस्था, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है. कैट के के मुताबिक वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार तुर्किए में कुल विदेशी आगमन 62.2 मिलियन पर्यटक का था जिसमें अकेले भारत से ही लगभग 3 लाख पर्यटक थे. वर्ष 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों की 20.7 फीसदी की वृद्धि थी. तुर्किए का कुल पर्यटन राजस्व $61.1 बिलियन था. एक भारतीय पर्यटक का औसत खर्चः $972 होता है और इस दृष्टि से भारतीय पर्यटकों का कुल अनुमानित भारतीय खर्चः$291.6 मिलियन के लगभग होता है. खंडेलवाल ने कहा कि अगर भारतीय पर्यटक तुर्किए की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो तुर्किए को लगभग $291.6 मिलियन का सीधा नुकसान होगा. इसके अलावा भारतीय पर्यटकों द्वारा आयोजित विवाह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से और भी आर्थिक नुकसान हो सकता है. अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों का जिक्र करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि यहां वर्ष 2024 में कुल विदेशी आगमन लगभग 2.6 मिलियन पर्यटक था, जिसमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी और प्रति भारतीय पर्यटक औसत खर्च 2,170 छि था, जो लगभग $1,276 होता है. इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का खर्च $308.6 मिलियन के लगभग अजरबैजान में होता है. भारतीय पर्यटकों के बहिष्कार से अजरबैजान को लगभग $308.6 मिलियन का प्रत्यक्ष नुकसान होगा. चूंकि भारतीय पर्यटक खासतौर पर अवकाश, मनोरंजन, विवाह, और साहसिक गतिविधियों के लिए अजरबैजान जाते हैं, ऐसे में बहिष्कार से इन क्षेत्रों में भी आर्थिक मंदी बड़े पैमाने पर हो सकती है.

## भारत के बिजनेस पर होगा असर

खंडेलवाल ने कहा कि इस आर्थिक नुकसान से तुर्किए और अजरबैजान पर भारत के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ सकता है. वहीं पर्यटन से होने वाले सांस्कृतिक आदान-प्रदान में कमी भी होगी और दोनों देशों के लोकल बिजनेस पर विपरीत प्रभाव भी पड़ेगा. इन देशों के होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर, और अन्य संबंधित व्यवसायों को भी नुकसान होगा. खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बेहद मजबूत है और कोई भी भारत को कमजोर समझने की भूल न करे. भारतीय नागरिकों द्वारा तुर्किए और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार इन देशों की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकता है. ये कदम न केवल आर्थिक दबाव बनाएगा, बल्कि एक मजबूत राजनीतिक संदेश भी देगा, जिससे दोनों देशों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है.

## दुनिया में 50 से ज्यादा मुस्लिम देश

हालांकि भारत को बहुत सारे मुस्लिम देशों का भी साथ मिला. दुनिया में 50 से ज्यादा मुस्लिम कंट्री हैं और इनमें से सिर्फ 2 ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया. ये दोनों मुस्लिम देश तुर्किये और अजरबैजान हैं.

## कई मुस्लिम देशों ने पाक से किया किनारा

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े मुस्लिम देश पाकिस्तान को काफी धन मुहैया कराते हैं, लेकिन तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों के बीच दोनों देशों ने पाकिस्तान से किनारा कर लिया और भारत पर हुए हमले का विरोध किया. कहा जा रहा है कि तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एदोर्गान लंबे समय से ऑटोमन साम्राज्य की तर्ज पर पूरी इस्लामी दुनिया के अगुआ बनकर अपने देश का प्राचीन रुतबा लौटाना चाहते हैं. एदोर्गान की पाकिस्तान में गहरी दिलचस्पी की बड़ी वजह यह मानी जाती है कि पाकिस्तान मुस्लिम जगत में एक बड़ी मिलिट्री पावर होने के साथ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है. भू-रणनीतिक लिहाज से भी पाकिस्तान उनके लिए अहम है. अंतिम इस्लामी खलीफा साम्राज्य की जड़ें जहां ऑटोमन एम्पायर से जुड़ी हैं वहीं पाकिस्तान का निर्माण भी धार्मिक आधार पर ही हुआ है. ये सब वजहें एदोर्गान को पाकिस्तान के करीब लाती हैं. इसके अलावा, आर्मेनिया और अजरबैजान के साथ जंग में भारत ने खुलेआम आर्मेनिया का समर्थन किया था. इसलिए भी अजरबैजान भारत का विरोध कर रहा है और पाकिस्तान के साथ खड़ा है. साथ ही आर्मेनिया भारत से हथियारों का बड़ा खरीदार है. तुर्किये और अजरबैजान, पाकिस्तान का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है और कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा होता है. तुर्किये ने भारत के कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले की आलोचना की थी और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया था. तुर्किये और अजरबैजान की भारत से दुश्मनी की कोई स्पष्ट पृष्ठभूमि नहीं है, लेकिन कश्मीर मुद्दा, पाकिस्तान के साथ उनकी गठजोड़, और कुछ अंतरराष्ट्रीय मामलों में मतभेद इस रिश्ते को प्रभावित करते हैं.

## बोईसर चित्रालय में महालक्ष्मी आर्ट ज्वैलरी शोरूम का शुभारंभ

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय पुलिस चौकी के पीछे स्थित नए महालक्ष्मी आर्ट ज्वैलरी शोरूम का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।

महालक्ष्मी आर्ट ज्वैलरी शोरूम विधिवत उद्घाटन पुरोहित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन, हवन के पश्चात नारियल फोड़कर किया गया। इस मौके पर पुरोहित थाल के मालिक जितेन्द्र पुरोहित ने फीता काटकर तथा चित्रालय ग्राम पंचायत सदस्य हेमंत जैन ने नारियल फोड़कर नए शोरूम की शुरूआत की। वहीं तुलसी छीपा ने शोरूम के मालिक को आशीर्वाद देकर मंगलकामनाएं दीं। इस विशेष अवसर पर प्रमुख रूप से समाजसेवी अरुण चव्हाण, गिरजेश आर. सिंह, जीतू सिंह, ललित माली, हिम्मत जैन, रवि सिंह, अमित सिंह, चंद्रबली यादव, कमलेश राजपुरोहित, राबेद पटवा, आशोक यादव, रोहित सिंह, रमोद पटवा, विनोद पटवा, पत्रकार हरिओम शरण मिश्र व अजीत सिंह समेत अनेक गणमान्य अतिथि एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने महालक्ष्मी आर्ट ज्वैलरी के संचालक नारायण पटवा को नई दुकान के उद्घाटन पर हार्दिक शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर नारायण पटवा ने कहा कि यह नया शोरूम अब चित्रालय के ग्राहकों को बेहतरीन और विश्वसनीय आभूषणों की सेवा प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष धर्मात्मा जयकुमार पटवा ने हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

## शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की धीमी प्रक्रिया पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने जताई चिंता

**वसई, पालघर (उत्तरशक्ति)।** भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने पालघर जिला कलेक्टर से अनुरोध किया है कि वसई तहसीलदार कार्यालय के सेतु विभाग में शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया को तेज करने के लिए महाऑनलाइन लॉगिन आईडी की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए।

सरवणकर ने अपने बयान में बताया कि वसई सेतु विभाग में फिलहाल केवल एक ही लॉगिन आईडी होने के कारण प्रमाण पत्रों की ऑनलाइन प्रक्रिया अत्यंत धीमी हो गई है। इस कारण से छात्रों और उनके अभिभावकों को काफी परेशानी हो रही है। वसई तालुका की जनसंख्या लगभग 25 लाख है और यहाँ बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहते हैं जिन्हें समय-समय पर आय, निवास, जाति, गैर-क्रीमी लेयर जैसे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं और कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने वाली है। ऐसे में प्रमाण पत्रों की बढ़ती मांग को देखते हुए सेतु विभाग की कार्यप्रणाली को मजबूत किया जाना आवश्यक है। भाजपा नेता ने आग्रह किया कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन तुरंत कदम उठाए और वसई सेतु विभाग में लॉगिन आईडी की संख्या बढ़ाकर सेवा की गति और गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करे।

## समाज सेवी राजबहादुर सिंह का दु :खद निधन

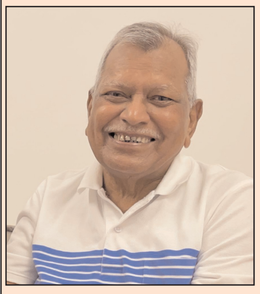

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** मुलुंड के समाज सेवी राजबहादुर सिंह ( 80 वर्ष)का दुःखद निधन रविवार 18 मई 2025 को हो गया। उनकी अंत्येष्टि भांडुप सोनापुर में उनके पौत्र एड.रिषभ सिंह ने मुखाग्नि देकर किया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड गये हैं। अंत्येष्टि में बी.के.तिवारी (उपाध्यक्ष मुंबई कांग्रेस), जगदीश सिंह (भाई), वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ.बाबूलाल सिंह,डॉ.आर.आर. सिंह,एस.के. सिंह, हरीश वर्मा (अध्यक्ष- महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज), डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष - युवा ब्रिगेड एसोसिएशन),समाज सेवक जगदीश पटेल,आर.के. सिंह, शिवदत्त सिंह, रामचंद्र सिंह,पत्रकार श्यामधरपांडेय,डॉ.शैलेन्द्र सिंह,रामाश्रय सिंह,एन.के.सिंह ,रामबाबु सिंह, पुलिस निरीक्षक राजकुमार कोथमीरे,एसीपी महेश तरदे,बी के सिंह ,मनोज वलिंबे,राजकुमार चौरसिया,रजत गौड़,पी डी सिंह डॉ आर एस मिश्रा ,सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## माहुल के घरों को सफाई कामगारों को मुफ्त में दिए जाने की मांग

**मुंबई।** माहुल में परियोजना प्रभावितों के लिए बनाए गए घरों को मनपा की ओर से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 12 लाख 60 हजार रुपए में बेचने की तैयारी शुरूवात में की गई थी। किंतु एक महीने की मोहलत दिए जाने के बाद भी, इन घरों को खरीदने वालों का प्रतिसाद नहीं मिल रहा है। जबकि गुरुवार, 15 मई को बढ़ी हुई समय सीमा भी समाप्त हो गई। इन दो महीनों में 9098 घरों के लिए केवल 248 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदकों के लिए ड्रा मंगलवार 20 मई को निकाला जाएगा। इस बीच मनपा के सफाई कर्मचारियों को मुफ्त में घर देने की मांग अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने की है। परमार ने अपनी मांग में बताया कि सरकार के जी. आर. में मनपा सफाई कर्मियों को मुफ्त में आवास देने का प्रावधान है। सरकार उस जी. आर. को संज्ञान में लेकर सफाई कामगारों को मुफ्त में आवास प्रदान करे। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने यह भी बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के कार्यकाल में जब लोकसभा चुनाव होने वाला था उस समय माहुल गांव में 50 सफाई कामगारों को मुफ्त में आवास प्रदान किया गया था। जिसके कारण माहुल के घर सफाई कामगारों को मुफ्त दिया जाना चाहिए। ऐसी मांग परमार ने मनपा आयुक्त से की है।बताया जाता है कि वर्तमान समय में यहां लगभग 13,000 घर खाली हैं क्योंकि परियोजना प्रभावित लोग माहुल के फ्लैटों में नहीं आना चाह रहे हैं।

# भाजपा महिला जिला अदध्यक्षा सुनीता यशवंत टावरे द्वारा निकाली गयी सिंदूर यात्रा में भारी संख्या में महिलाएँ हुई शामिल

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भरतीय जनता पार्टी की भिवंडी महिला जिला अध्यक्षा सुनीता यशवंत टावरे द्वारा देश और फौजी जवानों के समर्थन में भंडारी चौक से सिंदूर यात्रा रैली निकाली जिसमें असंख्य महिलाओं ने हिस्सा लिया। बतादें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबादू कर दिया था, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद का हेडक्वार्टर और लश्कर-ए-तैयबा का गढ़ भी शामिल है, भारत ने इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। भारत द्वारा की गई जवाबी कार्रवाइयों के चलते भारी संख्या में सुरक्षाबलों और आतंकियों की मौत हुई थी वहीं आतंकवादियों को पनाह देने वाले पकिस्तान के एयरबेसों को भी तबाह करके पाकिस्तानी सेना को भी निशाना बनाया था। भारतीय सैनिकों के सम्मान में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सिंदूर यात्रा निकाली गयी जो भंडारी चौक से बालाजी नगर स्थित बन्दना होटल होते हुये नारपोली चौक से वापस भंडारी चौक पर समापन किया गया। सुनीता टावरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि सिंदूर भारतीय नारी के वैवाहिक जीवन का प्रतीक रहा है। आज केवल सुहाग का प्रतीक नहीं बल्कि नारी शक्ति, साहस, शौर्य और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया है जिसे आपरेशन सिंदूर की नायिकाओं वियोमिका और सोफिया कुरैशी ने साबित कर दिया। इस सिंदूर यात्रा में महिला अध्यक्षा सुनीता टावरे के साथ सुगंधा टावरे, निर्मला टावरे, वैशाली पाटिल, रुचिता धोंडे, शोभा तिवारी, शीला बेडगे, डिंपल व्यास, नीलम साबजकर, मीरा अडसुले, कौशल्या जयसवाल, मंजूलता दुबे, उर्मिला पटेल, पवित्रा इंदुरकर, गीता गुप्ता, नैना शहा आदि असंख्य महिलाएँ शामिल थी।

## जय छेड़ा के जन्मदिन पर मरीजों में वितरित किया गया फ्रूट

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** जया फाऊंडेशन सामाजिक संस्था द्वारा 15 मई 2025 को जया फाऊंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती जया छेडा. के जन्मदिन के अवसर पर टाटा अस्पताल के कैंसर रोगियों को फ्रूट्स का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन हाफकिन इंस्टीट्यूट के सामने, केईएम अस्पताल के पीछे गेट नंबर 7 के पास, परेल मुंबई में किया गया।

यह कार्यक्रम सौ .सुमन त्रिपाठी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में फाऊंडेशन की सदस्य नंदा वर्मा, विमला पवार, रेशमा पाडें, अहिल्या और सरस्वती बहेती, हरिओम आदि ने आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

## बोरीवली-पूर्व में समाज कल्याण केंद्र का पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया लोकार्पण

**बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)।** उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की सांसद निधि से पुनर्निर्मित गोल्डन क्रीड़ा मंडल में स्थित समाजकल्याण केंद्र का उद्घाटन करने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए रिबन काटकर समाज कल्याण केंद्र का लोकार्पण किया तथा वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया। लोकार्पण समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, डॉ. योगेश दुबे व भारी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। सम्पूर्ण आयोजन और उसकी सफलता के लिए पूर्व नगरसेविका श्रीमती आसावरी पाटिल, धर्मवीर ठाकुर तथा वेंकटेश कासाराम ने उत्तम प्रयास किया जो कि सराहनीय है। इस समाज कल्याण केंद्र से क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

# वाडा में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बांस रोपण मेले में स्नेहा दुबे पंडित ने लिया भाग

**वसई रोड (पालघर) (उत्तरशक्ति)।** वाडा तालुका में श्रमजीवी संघ, महाराष्ट्र राज्य तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत आयोजित एक भव्य बांस रोपण मेले में स्नेहा दुबे पंडित ने सहभाग लिया। यह आयोजन जिला कलेक्ट्रेट पालघर के सहयोग से संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें कृषि मूल्य आयोग समिति के सह-अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र सरकार के बांस मिशन के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) उपस्थित रहे। पाशाभाई पटेल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों, किसानों के लिए नए अवसरों एवं

ग्रामीण रोजगार सृजन पर विशेष चर्चा हुई। इस अवसर ने कृषि और पर्यावरण के समन्वय का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। स्नेहा दुबे पंडित के साथ इस आयोजन में उप जिला कलेक्टर श्रीमती विजया जाधव, श्रमजीवी संगठन के अध्यक्ष रामभाऊ वारणा, महासचिव विजय भाऊ जाधव, तहसीलदार भाऊसाहेब अंधारे, समूह विकास अधिकारी वैभव शिंदे, सहायक वन संरक्षक ढेम्बेरे, तालुका कृषि अधिकारी मकर, उपतहसीलदार सुनील लाहागे, बांस विशेषज्ञ कार्पे, कृषि रत्न अनिल पाटिल तथा श्रमजीवी संघ के जिला अध्यक्ष सुरेश रांगेड़ सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह कार्यक्रम न केवल ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हरित रोजगार के प्रति जागरूकता फैलाने में भी सहायक सिद्ध हुआ। अगर आप चाहें, तो इसे प्रेस विज्ञप्ति, सोशल मीडिया पोस्ट या रिपोर्ट फॉर्मेट में भी ढाल सकता हूँ।

# मीरा भायंदर में भाजपा द्वारा निकाली गई भव्य तिरंगा रैली

**तारकेश्वर पांडे**

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मीरा भायंदर 145 विधानसभा के विधायक नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में निकली गई भव्य तिरंगा रैली उन्होंने बताया कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा कायराना हमला किया गया, उसके बाद जिस तरह से हमारे, भारत के सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से दुश्मनों को अंजाम दिया, और प्रक्रम में वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देना और हमारी सेना के जवानों द्वारा दिखाए गए शौर्य के प्रति देश की एकजुटता को प्रकट करता है। इस कार्यक्रम में, विधायक नरेंद्र मेहता के साथ-साथ जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा, तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता व मीरा भायंदर के जनता, के साथ मंडल अध्यक्ष व महिला मोर्चा आघाड़ी मोर्चा तथा बिहार प्रकोष्ठ सहित हजारों कार्यकताओं ने उपस्थित होकर तिरंगा रैली को सफल बनाया।

# चंद्रकुमार सिंह एवं सुमिता सुमन सिंह को शादी की 49 वीं वर्षगांठ पर लोगों ने दी बधाई

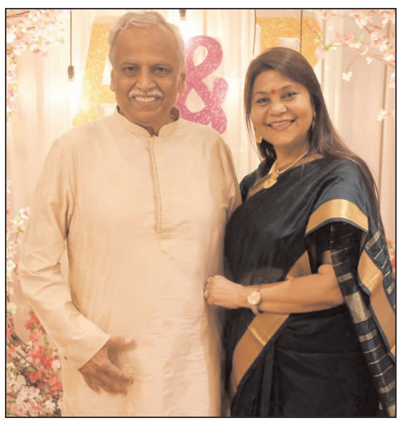

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** आर्य समाज माटुंगा मुंबई, श्री दयानंद बालक विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज माटुंगा, श्री दयानंद बालिका विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज माटुंगा, प्रताप को आप्रेटिव बैंक लिमिटेड के चेयरमैन, माटुंगा राष्ट्रीय डेरी फार्म के मालिक चंद्र कुमार सिंह ( सी के सिंह ) एवं सुमन सिंह के वैवाहिक जीवन के 49 वां वर्षगांठ पर विद्यालय के सभी शिक्षक गणों एवं बैंक के सभी कर्मचारियों के द्वारा हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी है। बता दें चंद्रकुमार सिंह व सुमन सिंह मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह के मामा मामी है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, , पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, समाजसेवी व भाजपा नेता मुंबई प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, सायन कोळीवाड़ा समाजसेवी व मॉ विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला, समाजसेवी के के मिश्रा बच्चन, भाजपा मुंबई प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी ( तिवारी सरस्वती क्लासेज सायन ), ठाकुर दशरथ सिंह, अमित कुमार सिंह संयोजक महाराष्ट्र प्रदेश जीपीओ, सचिव, प्रहार अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन मुंबई के तरफ से प्रार्थना करते हुए कहा कि आपका दाम्पत्य जीवन सदैव सुख, समृद्धि और धन-धान्य से परिपूर्ण रहे।

# गुजरात गौरव सम्मान 2025 अभिनेता तुलसी कुमार को

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** गुजरात राज्य के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात सिने मीडिया परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुजरात गौरव सम्मान अवॉर्ड २०२५ बेस्ट एक्टर एवम सिंगर तुलसी कुमार को अर्पण किया गया था। जानू तारु टेटू टिमली ऑडियो यूट्यूब चैनल और लाइव म्यूज़िक प्रोग्राम के कलाकार तुलसी कुमार को ये अवॉर्ड सावली गाव के माताजी वैशाली माँ के द्वारा दिया गया था।

समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह, डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन),पत्रकार पी.पी.पांडेय,जीतू सोमपुरा, समाज सेवी विजय ठक्कर, बिपीन जोशी, किर्ती शाह, बाबू चावडा ने एक्टर,सिंगर तुलसी कुमार को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

# कैंसर पीड़ितों और सड़क दुर्घटना में घायल परिवार को सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने दी आर्थिक सहायता

### अजय प्रजापति मुंबई के नेतृत्व से संचालित ट्रस्ट निरंतर कर रहा है जरूरतमंदों की मदद

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट – एक सामाजिक संस्था जो वर्षों से गरीब, असहाय और पीड़ित लोगों की मदद में अग्रसर है, ने हाल ही में कैंसर पीड़ितों और एक सड़क दुर्घटना में घायल परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान कर मानवता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह संस्था छोटे-छोटे व्यक्तिगत सहयोग से संचालित होती है और इसके मुख्य मार्गदर्शक अजय प्रजापति (मुंबई निवासी) हैं। इनके साथ डॉ. अरुण प्रजापति, विनोद प्रजापति, इंद्रजीत प्रजापति समेत अनेक समर्पित कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं। हाल ही में प्रतापगढ़ निवासी रानी देवी प्रजापति, जो कैंसर से पीड़ित हैं, को ट्रस्ट की ओर से ?10,000 की आर्थिक सहायता दी गई। इसी प्रकार, जौनपुर निवासी गोपाल दास प्रजापति, जो कैंसर से जूझ रहे हैं, उन्हें भी ?10,000 की सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, जौनपुर (खुटहन) में हाल ही में हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के माँ और बेटे की मृत्यु हो गई, जबकि पिता सुनील प्रजापति और बेटी गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज

चल रहा है।

ट्रस्ट द्वारा इलाज के लिए अस्पताल के खाते में 25,000 की राशि भेजी गई है। इन सामाजिक कार्यों में अनेक सहयोगियों का योगदान रहा, जिनमें प्रमुख रूप से पियूष प्रजापति, रविंद्रनाथ, आगरा से डॉ. शिव प्रकाश गोला, हरिद्वार से अरुण कुमार, उदयराज, कमल प्रजापति, शंकर पंडित, सुरेंद्र, अजीत, कृष्णा, प्रेमप्रकाश, सचिन प्रजापति (नालासोपारा), नीलेश, बच्चेलाल आदि शामिल हैं। पीड़ित परिवारों ने ट्रस्ट और सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट का यह प्रयास न केवल समाज में एक सकारात्मक संदेश देता है, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित करता है कि वे जरूरतमंदों के लिए आगे आएं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

**पत्राचार कार्यालय :**
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

**स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
**पत्राचार कार्यालयः** मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# शादी की खुशी मातम में बदली, पुलिस मुठभेड़ में दूल्हे का बड़ा भाई ढेर

***चार करोड़ की कॉपर लूट और ट्रक ड्राइवर की हत्या का आरोपी था मृतक,सरोज की शादी से पहले टूटा दुखों का पहाड़**

*** जवाबी कार्रवाई में बदमाश संतोष उर्फ राजू के सीने में 6 गोली लगी**

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक तरफ घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, तो दूसरी ओर आई एक खबर ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। कौशाम्बी के कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढां हाइवे पर बहुचर्चित कॉपर लूटकांड और ट्रक ड्राइवर की हत्या में वांछित बदमाश क्षेत्र के पोरईकलां निवासी सन्तोष उर्फ राजू पुत्र जय प्रकाश की रात उक्त लूट स्थान पर हुई पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। यह बदमाश कोई और नहीं बल्कि उसी घर का बड़ा बेटा था, जहां सोमवार को सरोज की बारात निकलनी थी।मृतक कुख्यात बदमाश तीन भाई और एक बहन हैं सरोज की कल बारात निकलनी है, जो परिवार का मंझला बेटा है। पिता के साथ खेती-किसान करता है। सबसे बड़ा बेटा, जिसकी मुठभेड़ में मौत हुई, लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। उसके खिलाफ अलग-अलग प्रदेश में कई आपराधिक मामले दर्ज है। वहीं, सबसे छोटा भाई स्वरूप जनपद के सीमावर्ती क्षेत्र फुलेश में एक जनरल स्टोर की दुकान चलाता है और पिता जयप्रकाश खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को राजस्थान अजमेर के जगपुरा गांव का रहने वाला 40 वर्षीय साबरमल मीणा अपने ट्रेलर में गुजरात से कापर वायर लोड कर प्रयागराज के सूबेदारगंज के लिए निकला था। जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ थी। शुक्रवार को कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढा हाईवे पर कुख्यात बदमाश सन्तोष उर्फ राजू ने अपने गैंग के दो सदस्यों के साथ अर्टिगा कार से ओवरटेक कर ट्रेलर रोक लिया और ड्राइवर साबरमल मीणा को गन पॉइंट पर पहले धमकाया।फिर उसे यह लालच दिया कि कापर वायर किसी और को बेंच देते हैं जिसके बदले उसे भी हिस्सा देंगे। जब ड्राइवर साबरमल मीणा ने बदमाशों से कहा कि यह ट्रेलर उसका खुद का है और यह कापर वायर रेलवे का है। वो ऐसा गलत काम नही करेगा। इतने में बदमाश संतोष उर्फ राजू ने ड्राइवर साबरमल मीणा को पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी और अपने दो साथियों की मदद से उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया। बदमाश कापर वायर लदा ट्रेलर लेजाकर प्रतापगढ़ की सीमा में खड़ा कर दिया।शनिवार की रात बदमाश संतोष उर्फ राजू चार लोगों के साथ दो करोड़ में कापर वायर का सौदा कर रहा था। तभी कोखराज पुलिस ने बदमाश संतोष उर्फ राजू और चार अन्य खरीददार को धर दबोचा। पुलिस की पूछताछ में बदमाश संतोष ने अपना जुर्म कबूल किया जिसके बाद पुलिस घटना में इस्तेमाल पिस्टल बरामद करने के लिए उसे घटनास्थल पर लेकर पहुंची तभी झाड़ियों में छिपाकर रखे लोडेड पिस्टल से बदमाश संतोष उर्फ राजू ने पुलिस टीम पर फायरिंग करना शुरू कर दी।इस संबंध में कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि एसएचओ कोखराज चंद्रभूषण मौर्य और एक दरोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। आत्मरक्षात जवाबी कार्रवाई में बदमाश संतोष उर्फ राजू के सीने में 6 गोली लगी है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। घर में जहां ढोल-नगाड़ों की गूंज होनी थी, वहां अब चीख-पुकार और सन्नाटा पसरा है। परिजन के अनुसार, उन्होंने कई बार बड़े बेटे को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन वह अपराध की दुनिया से बाहर नहीं निकल पा रहा था ।सात वर्ष मुंबई में कार्गो से करोड़ों का सामान चोरी करने पर चर्चा में आया था संतोष संतोष गाँव में एक सामान्य सीधे सादे युवक और सबसे मिलजुलकर रहता था जो यहाँ से कक्षा आठ तक की पढ़ाई के बाद वह मुंबई कमाने चला गया ।जहाँ पैसे की भूख और बड़ा आदमी बनने के चक्कर में गलत लोगों की संगत में आकर जरायम की दुनियाँ में कदम रख दिया और इस दलदल में जाने के बाद कभी पीछे नहीं हुआ और प्राय पुलिस अनेक प्रांतों से इसे ढूँढने आती रहती थी फिलहाल तो जनपद में उक्त के ऊपर कोई मुकदमा नहीं है जबकि आजमगढ़ में और अनेक प्रांत में इसके ऊपर मुकदमें दर्ज हैं ।बात अगर क्षेत्र में अपराध की किया जाय तो खेतासराय में जमीन दिखाकर लोगों से लाखों रुपये ऐंठकर गायब हो जाता रहा जबकि बड़ी घटना को अन्य प्रांतमें अंजाम देता था। गाव में सीधा और सादगी से रहता था ।

## विधायक ने ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट लैब का किया उद्घाटन

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर पर रविवार को ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट यानी विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच हेतु बने नवनिर्मित लैब का क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के द्वारा विद्वान पंडित की मौजूदगी में मंत्रोच्चारण करते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर संजय दुबे तथा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि वैभव सिंह की मौजूदगी में फीता काटकर उद्घाटन किया गया। सीएचसी अधीक्षक तथा लैब टेक्नीशियन अभिषेक मोदनवाल के द्वारा यह बताया गया कि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण से आधुनिक मशीनों से सीबीसी, लीवर की जांच, किडनी की जांच,कोलस्ट्रॉल, लक्श, हेपिटाइटिस, मलेरिया, टाइफाइड , डेंगू, शुगर, टीवी की जांच, इलेक्ट्रोलाइट, ब्लड ग्रुप जैसी जांच की सुविधा निशुल्क प्राप्त होगी। विधायक द्वारा बताया गया कि ब्लैक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण से क्षेत्रीय लोगों का आधुनिक मशीनों के द्वारा जांच करते हुए उपचार किया जाएगा। उक्त अवसर पर डॉ ऋचा दुबे, डॉ गौरव सिंह,स्टाफ नर्स कामना सिंह, फूलमती, पूनम मौर्य,लैब टेक्नीशियन संतलाल यादव, आशुतोष पांडे, श्याम चंद विश्वकर्मा, काउंसलर राजा शंकर यादव विनोद पाठक, अवनीश सिंह,रामसहाय पांडे, विधायक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता मिथिलेश सिंह, रामकृष्ण उपाध्याय, पूर्व प्रबंधक विनोद कुमार सिंह,मंडल अध्यक्ष सनी शुक्ला, पूर्व सभासद दिलीप जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा, महेंद्र शुक्ला, स्वतंत्र मिश्रा, दुर्गेश शर्मा, सभासद बबलू पांडे, संदीप शुक्ला बंटी, हरिनाथ मौर्य राजेश साहू, व्यापार मंडल अध्यक्ष धनंजय सेठ, सुशील निगम साहित्य काफी संख्या में अन्य क्षेत्रवासी गण व स्वास्थ्य विभाग की कर्मचारी मौजूद रहे।

## ट्रक में फंसने से बिजली का तार व खंम्भा टूटा

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बीती रात्रि में लगभग 1:20 मिनट पर एक अज्ञात ट्रक मे बिजली का तार फस जाने के कारण खंभा व उसमें लगे हुए केबल के तार टूट गए । मौके पर सिधौना बाजार में लगे रात्रि गस्त कर रहे हेड कांस्टेबल विजय कुमार गुप्ता के द्वारा दीपक राय र कथाना मेहनाजपुर को यह सूचना दिया गया कि एक अज्ञात ट्रक मे बिजली का तार फस गया।जिससे खंभा व केबल के तार टूट गया लेकिन जब तक वह मौके पर पहुंचे उससे पहले ही ड्राइवर ट्रक लेकर भाग गया ।दीपक राय र ' ने मौके पर जाकर बिजली विभाग के कर्मचारियों को फोन किए जिससे सूचना पाकर बिजली विभाग के कर्मचारी आए खंभे से लटके हुए कई केबल को रोड से हटाया गया।जिससे खतरा होने से बच गया, इसी कड़ी में सिधौना बाजार में स्थापित ट्रांसफार्मर बिगड़ गया जिससे रात्रि के समय लाइट न होने की वजह से लोग भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं।आज रात्रि के समय भी बिजली बाधित रहेगी इस विषय पर लोगों के अंदर रोष व्याप्त है।

## तकनीक एवंम आत्मविश्वास से मिलेगी सफलता : प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज, जौनपुर में आज दिनांक 17 मई 2025 को एक वृहद रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें इंटरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र एवं पासआउट युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। यह मेला छात्रों को निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया। जो कॉलेज एवं उद्योग जगत के मध्य एक सशक्त सेतु का कार्य कर रहा है।इस रोजगार मेले का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में सफलता प्राप्त करने हेतु मेहनत, समर्पण एवं आत्मविश्वास आवश्यक हैं। इस प्रकार के रोजगार मेले छात्रों को नए अवसरों से जोड़ने में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के एचआर अधिकारियों ने भाग लिया और विशेष रूप से प्राइवेट बैंकिंग सेक्टर में रोजगार की संभावनाओं पर छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने तकनीकी दक्षता, संचार कौशल और पेशेवर व्यवहार को सफलता की कुंजी बताया। इस रोजगार मेले में 585 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया तथा 230 रिक्त पदों के लिए इंटरव्यू आयोजित किए गए। कई छात्रों को प्रारंभिक चरण में चयनित भी किया गया है। जिसकी विस्तृत सूची शीघ्र जारी की जाएगी। कार्यक्रम में वाराणसी, मिर्जापुर और चंदौली जिलों से आए युवाओं ने भी भाग लिया। प्रमुख एचआर प्रतिनिधियों में विकाश मिश्रा, अंजफर जाफर, पुनीत मौर्य, प्रवीण सिंह, डॉ. जीवन यादव, अभिषेक श्रीवास्तव, मोहम्मद इलियास, हिमाद्रि मौर्य, दिव्यानी सिंह,फरहीन बानो, प्रवीण यादव,अहमद अब्बास एवं तकरीम फातिमा की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। महाविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने का आश्वासन दिया, जिससे छात्र-छात्राओं को करियर निर्माण हेतु सशक्त मंच उपलब्ध होता रहे।

## मुख्यमंत्री से मिले राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर कर्मचारी संघ के पदाधिकारी समेत राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले। उन्हें कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अवगत कराया। उन्होंने समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिया। राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. संजय शुक्ला, महामंत्री नंदकिशोर सिंह अध्यक्ष पूर्वांचल विश्वविद्यालय, और संगठन मंत्री रमेश यादव महामंत्री पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात की। इस बैठक में विश्वविद्यालय कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें अवकाश, नकदीकरण, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, संविदा/ तदर्थ कर्मचारियों के विनियमित किए जाने और अन्य महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। राज्य कर्मचारी महासंघ के निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ समारोह में उपस्थित होने हेतु निवेदन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द समय देने का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। कर्मचारियो यह मुलाकात कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उनके अधिकारों और कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी कर्मचारियों को इस सकारात्मक विकास का स्वागत करना चाहिए और विश्वास रखना चाहिए कि सरकार हमारी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है।

## मीरगंज पुलिस ने बकरा चोरी करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वांछित की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष मीरगंज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 जुल्फिकार अली मय हमराही कर्मचारीगण के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 61/25 धारा 303(2)/317(2) बी0एन0एस0 में प्रकाश में आये आरोपित वाजिद अली पुत्र अहमद अली निवासी जगदीशपुर थाना मीरगंज जनपद जौनपुर उम्र करीब 25 वर्ष को मुखबीर की सूचना पर थाना मीरगंज अंतगर्त रेलवे अन्डर पास स्टेशन जरौना के पास से आज दिनांक 18.05.25 समय 11.30 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय जौनपुर चालान कर भेजा गया।

## आपसी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना तेजीबाजार अन्तर्गत ग्राम जीरिकपुर में आपसी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार प्रकरण में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि दो पक्षो के मध्य मड़हा रखने के विवाद को लेकर कहासुनी व मारपीट हो गई।उक्त सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुँचकर घटना में घायल एक व्यक्ति हरिशंकर गौतम पुत्र राम नारायण गौतम को तत्काल सीएचसी नौपेड़वा ले जाया गया। इलाज के दौरान घायल उपरोक्त की मृत्यु हो गयी है। मृतक के पत्नी के तहरीर पर अभियोग पंजीकृत करते हुए नामजद सभी 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है।अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने प्रकरण में कैलाशनाथ गौतम पुत्र पंचम लाल निवासी ग्राम जिरिकपुर थाना तेजीबाजार, अमन कुमार गौतम पुत्र कैलाशनाथ गौतम निवासी ग्राम जिरिकपुर थाना तेजीबाजार, रया पुत्री कैलाशनाथ गौतम ग्राम जीरिकपुर निवासी ग्राम जिरिकपुर थाना तेजीबाजार कमला देवी पत्नी कैलाशनाथ गौतम निवासीग्राम जिरिकपुर थाना तेजीबाजार को गिरफ्तार किया है।

## लखनऊ में राजा महमूदाबाद की हैं 200 संपत्तियां, लीज पर दो जमीनें

लखनऊ। हरियाणा के राई में अशोका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर अली खान को "ऑपरेशन सिंदूर" को लेकर महिला सैन्य अफसरों पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद कैसरबाग स्थित महमूदाबाद हाउस में सन्नाटा है। यहां के रहने वाले ने बताया कि उनके निजी सचिव अली काजमी सूचना पर हिसार चले गए हैं।

राजा महमूदाबाद का नाम कई मायनों में काफी चचाओं में रहा है। लखनऊ में आधा हजरतगंज आज भी राजा महमूदाबाद के अधिकार क्षेत्र में होना बताया जाता है। राजा महमूदाबाद व उनके परिवार के लोगों की ईराक, पाकिस्तान और अन्य देशों में भी अकूत संपत्तियां हैं। अक्तूबर 2006 में हुए सरकारी आंकलन के अनुसार, उनकी संपत्तियों की कीमत करीब 50 हजार करोड़ रुपये थी। अकेले करीब 200 शत्रु संपत्तियां चिह्नित हैं, इसमें 125 से ज्यादा शत्रु संपत्तियां अकेले सदर तहसील में हैं। इसके अलावा मलिहाबाद में नौ, 29 मोहनलालगंज और शेष बीकेटी व सरोजनी नगर तहसील क्षेत्र में हैं। सभी संपत्तियां राजा महमूदाबाद की हैं। बीते दिनों हजरतगंज में हलवासिया बिल्डिंग और लारी सहित दूसरे संपत्तियों की पैमाइश के साथ ही इस बात की भी जांच शुरू हो गई है कि राजा महमूदाबाद के पास आखिर यह संपत्तियां कहां से आई? यह जानना जरूरी है कि जिन संपत्तियों को लेकर बात हो रही है आखिर उनके पास कहां से और कितनी आईं। एलडीए और प्रशासन की पैमाइश में अब तक दोनों ही संपत्तियों में लीज अनुबंध से अधिक कब्जा पाया गया है। लीज अनुबंधों की जांच के दौरान सामने आया है कि राजा ने किराएदारों को लीज पर दिया, लेकिन उनके पास जमीनें कहां से आई थीं, इसका उल्लेख नहीं मिल रहा है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि कई ऐसी संपत्तियां हैं, जिनको राजा ने लीज पर दीं, लेकिन वह नजूल संपत्ति के रूप में दर्ज थीं। यही वजह है कि पैमाइश के साथ ही शत्रु अभिकरण कार्यालय रजिस्ट्रार और दूसरे संबंधित कार्यालयों से इससे संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। देशभर में साढ़े बारह हजार से अधिक शत्रु संपत्तियां घोषित कर सरकार अपनी कस्टडी में ले चुकी है, जिनमें राजा महमूदाबाद की 980 संपत्तियां भी शामिल हैं।

## श्रमिकों के हितार्थ, शासन द्वारा संचालित हैं विभिन्न योजनाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति )। शासन द्वारा श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, बीमा, कौशल विकास, पेंशन आदि शामिल है।

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार का एक संगठन है, जो राज्य के निर्माण श्रमिकों के कल्याण और अधिकारों की रक्षा के लिए कार्यरत है।इसी क्रम में सहायक श्रमायुक्त, देवब्रत यादव ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ निम्नलिखित योजनाएं संचालित हैं।

मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना- शिशु के पुत्र होने की दशा में एकमुश्त रू0 26,000 तथा पुत्री होने पर रू0 31,000 प्रति शिशु की दर से देय होगा एवं रू0 25,000 की सावधि जमा बालिका के बालिग होने तक कराया जायेगा। कन्या विवाह सहायता योजना- श्रमिक की पुत्री अथवा पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिक के स्वयं के विवाह हेतु रु0 55,000 की धनराशि बोर्ड द्वारा आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी तथा अंतजार्तीय विवाह हेतु रु0 61,000 एवं सामूहिक विवाह में रू0 75,000 की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाएगी।

निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना- पंजीकृत निर्माण श्रमिक की कार्यस्थल पर दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में रू0 5,25,000 एवं सामान्य मृत्यु की स्थिति में रू0 2,25000 का भुगतान मृतक के आश्रित/आवेदक को प्रदान की जायेगी।

संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना- पंजीकृत निर्माण श्रमिक के दो बच्चों तक कक्षा 1 से लेकर उच्च शिक्षा तक अध्ययनरत होने की दशा में क्रमशः 2,000 से लेकर रू0, 1,00,000 तक एक मुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। गम्भीर बीमारी सहायता योजना- सरकारी /स्वायत्तशासी चिकित्सालयों अथवा SACHIS चिकित्सालयों में इलाज कराने पर आयुष्मान भारत योजना में देय हितलाभ के समतुल्य राशि पूर्ण प्रतिपूर्ति। चिकित्सा/शल्यक्रिया में चिकित्सालय द्वारा इलाज का इस्टीमेट दिये जाने पर चिकित्सालय को अग्रिम राशि का भी भुगतान किया जा सकता है। महात्मा गांधी पेंशन योजना- प्रत्येक पात्र श्रमिक को प्रतिमाह की दर से 1,000 की धनराशि देय है। लाभार्थी श्रमिक की मृत्यु होने की दशा में पेन्शन की धनराशि उसकी पत्नी/ पति, जैसी भी स्थिति हो, को देय होगी।

अटल अवासीय विद्यालय योजना- अटल आवासीय विद्यालय वाराणसी में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रावास, खान-पान, खेलकूद, चिकित्सा, सुरक्षा आदि सुविधा, प्रदान किये जाने का उत्तरदायित्व विद्यालय प्रबन्धन समिति का होगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में रू0 90,21,293 की धनराशि का वितरण लाभार्थी श्रमिकों को किया गया है। ऐसे सभी निर्माण श्रमिक जो 18 से 60 वर्ष के आयु के है और जिन्होंने पंजीकरण के समय पिछले 12 माहमें 90 दिनों तक निर्माण श्रमिक के रूप में कार्य किया हो वे अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, नामिनी के आधार कार्ड की छायाप्रति, अपना मोबाईल (ओ0टी0पी0 हेतु), के साथ अपने निकटतम सहज जनसेवा केन्द्र (CSC) पर जा कर अपना श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं में आवदेन करा सकते हैं। साथ ही श्रमिक द्वारा अपने स्मार्टफोन से upbocw.in पर जा कर स्वयं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के फोन नंबर-05452-240478 पर एवं कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

# जौनपुर : तस्करों ने सिपाही को कुचलकर मार डाला, पुलिस घेरा बंदी में तस्कर भी ढेर

### मौत की खबर सुन टीचर पत्नी बेहोश, मां बेसुध, एनकाउंटर में जीबी तस्कर सलमान ढेर

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गो-तस्करों ने चेकिंग के दौरान सिपाही को पिकअप से कुचलकर मार डाला। वारदात के बाद पुलिस बदमाशों का पीछा करना शुरू कर दिया। जगह-जगह बैरिकेडिंग कराई। आसपास के थानों को अलर्ट भेजा। इधर, बदमाश भागते हुए एक गांव में पहुंचे। वहां पुलिस को चकमा देने के लिए पिकअप को छोड़ दिया। फोन कर-के दो बाइक मंगाईं। फिर 3-3 बदमाश दोनों बाइकों पर सवार हो गए। वहां से यू-टर्न लिया और जहां सिपाही को रौंदा था, उसे क्रॉस करते हुए निकल गए। लेकिन पुलिस ने 24 किमी दूर जाने पर तस्करों को घेर लिया। खुद को घिरता देख गो-तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। फिर दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली से बदमाश सलमान मारा गया। वहीं, नरेंद्र यादव और गोलू यादव को पैर में गोली मारकर पकड़ लिया गया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि, 3 बाइक सवार तस्कर मुठभेड़ के दौरान फरार हो गए। सिपाही की मौत की खबर मिलते ही उनके घर में कोहराम मच गया। पत्नी प्रियंका रोते-रोते बेहोश हो गईं। जबकि मां उर्मिला सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बेटे को याद कर चीख उठती हैं। कहती हैं- मेरा लाल कहां चला गया। आसपास की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाने की कोशिश कर रही हैं। घर में रिश्तेदार भी जुट गए हैं। पिता दीनानाथ सिंह बेटे का शव लेने वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर गए हैं। पड़ोसियों का कहना है- दीनानाथ बेटे की मौत की खबर सुनते ही सन्न रह गए थे।रोकने की कोशिश की तो सिपाही को रौंदते हुए निकल गए तस्कर

जौनपुर पुलिस के मुताबिक, 17 मई की रात करीब 12 बजे चंदवक पुलिस टीम खुज्झी मोड़ के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह और 8-10 पुलिसवाले मौजूद थे। तभी आजमगढ़ की ओर से पिकअप सवार गो-तस्कर आए।

पुलिस ने पिकअप को रोकने की कोशिश की, तो तस्करों ने गाड़ी की स्पीड और बढ़ा दी। पिकअप हेड कॉन्स्टेबल दुर्गेश कुमार सिंह को रौंदते हुए निकल गई। यह पूरी घटना होटल में लगे CCTV में कैद हो गई। घटना के बाद साथी पुलिसवाले कॉन्स्टेबल को उठाते हैं। उन्हें तत्काल वाराणसी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 12:46 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इधर, घटना की सूचना पर रडऋटीम और आस-पास के थानों की पुलिस तस्करों की तलाश में जुट गई। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई। आसपास के थानों को अलर्ट किया गया। टीम तस्करों का पीछा करते हुए वाराणसी के थाना चोलापुर के ताला बेला गांव पहुंची। यहां तस्करों ने वाहन छोड़ दिया। दो बाइक पर तीन-तीन सवार होकर चंदवक की दिशा में भाग गए।

पुलिस ने आरोपियों का पीछा करते हुए कोइलारी बाजार के पास सतमिश्रा गांव पहुंची। पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाब में फायरिंग की। इसमें नरेंद्र यादव, निवासी रमना चौबेपुर, वाराणसी और गोलू यादव निवासी टड़िया, थाना अलीनगर, चंदौली के पैरों में गोली लगी।

वहीं, बाइक सवार सलमान, निवासी मुथरापुर कोटवा, थाना जलालपुर, जौनपुर, के सीने में गोली लग गई। हालांकि, 3 बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। पुलिस सलमान को सीएचसी डोभी ले गई। वहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दरअसल, 15 मई की रात थाना जलालपुर के पराउगंज चौकी प्रभारी प्रतिमा सिंह पुलिसकर्मियों के साथ चेकिंग कर रही थीं। तभी पशु तस्करों ने जानबूझकर पिकअप वाहन से उन्हें टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनका वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। इसके बाद जौनपुर पुलिस ने पूरे जिले में चेकिंग अभियान चलाया। इसी क्रम में पुलिस टीम खुज्झी मोड़ पर चेकिंग कर रही थी, तभी गो-तस्करों ने सिपाही पर गाड़ी चढ़ा दी।

सिपाही दुर्गेश सिंह चंदौली के सकलडीहा थाना क्षेत्र के उकनी गांव के रहने वाले थे। 14 साल पहले पुलिस जॉइन की थी। दुर्गेश की शादी 2015 में हुई थी। पत्नी प्रियंका खुज्झी में प्राथमिक विद्यालय में टीचर हैं। प्रियंका सिधौनी गांव में किराए के मकान में 6 साल की बेटी नव्या और 2 साल की बेटी तान्या के साथ रहती हैं। दुर्गेश सिंह के पिता के पिता किसान हैं। मां गृहिणी हैं। बड़े भाई राजीव रंजन एयरफोर्स में हैं। उनकी तैनाती जोधपुर में है।

चचेरे भाई राजू सिंह ने बताया- 15 मई की रात में दुर्गेश आधे घंटे के लिए घर आया था। उसने मुझसे भी मुलाकात की थी। जाते वक्त कहा था- जल्द ही फिर घर आऊंगा। लेकिन किसे पता था कि वह आखिरी मुलाकात होगी। अब वो हमेशा के लिए चला गया।

भांजी ट्विंकल ने बताया- कल रात 10 बजे मेरी मामा से बात हुई थी। उन्होंने मेरा हाल चाल पूछा था। कहा था- तुमसे मिलने जल्द आऊंगा। गांव के लोगों का कहना है- दुर्गेश बेहद मिलनसार और शांत स्वभाव का था। गांव में हर किसी के सुख-दुख में साथ रहता था। अब उसकी मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है।

يسرٰی حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा ।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

## चौकियां धाम कुंड में डूबने से विछिप्त युवक की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शीतला चौकियां धाम मन्दिर के बगल में स्थित तालाब में रविवार की सुबह एक विछिप्त युवक की डूबने से मौत हो गई।यह जानकारी होते ही लोगो की भारी भीड़ तालाब में उमड़ पड़ी।जानकारी के अनुसार शीतला चौकियां छेत्र के रामपुर नेवादा निवासी चंदा हरिजन पुत्र मृतक साहिल हरिजन 19 वर्ष जिसकी मानसिक स्थितिकाफी दिनों से खराब थी रविवार की सुबह तालाब में लगे सुरक्षा रेलिग अन्दर गहरे पानी नहाने चला जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। युवक की डूबने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे स्थानीय पुलिस कर्मियों ने परिजनों को सूचित कर गोताखोर की मदद से डूबे युवक लाश को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## एचडीएफसी बैंक ने बिज प्लस करंट एकाउंट्स लॉन्च किए

पटना (उत्तरशक्ति) । भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने चालू खाता जमा में अपने नए बिज प्लस करंट एकाउंट्स के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारतीय व्यवसायों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए चालू खाता पेशकशों के एक नई पहल है। खातों की इस रेंज का उद्देश्य पहले दिन से ही पूरे बैंक को ग्राहक तक लाकर व्यवसायों को सशक्त बनाना है। प्रत्येक बिज प्लस चालू खाता नकद प्रबंधन सेवाओं, सहज डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म और समर्पित बैंक / रिलेशनशिप मैनेजर सहायता सहित मुख्य लाभों से सुसज्जित है, साथ ही ऐसे बंडल समाधान भी हैं जो व्यवसायों की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूरी श्रृंखला को संबोधित करते हैं। नए बैंक चालू खाता ग्राहकों के लिए नई पेशकश का एक प्रमुख आकर्षण पहले वर्ष के लिए पहले दिन से ही व्यापक व्यवसाय और भुगतान सुरक्षा बीमा कवरेज को शामिल करना है। इससे व्यवसाय मालिकों को अप्रत्याशित जोखिमों से अपने उद्यमों की रक्षा करने में मदद मिलती है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड - पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, पराग राव ने लॉन्च पर बोलते हुए कहा, यह लेन-देन से मूल्य-आधारित जुड़ाव की पेशकश करने की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव है और यह व्यवसाय तथा व्यक्तिगत बैंकिंग, दोनों जरूरतों को पूरा करता है। अब हम एक अधिक मॉड्यूलर, स्केलेबल और व्यावसायिक जीवन चरण-सरेखित प्रस्ताव दे रहे हैं। हमारी बिज प्लस अकाउंट रेंज को अनुकूल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो डायनेमिक मल्टीप्लायर लाभों के साथ जो व्यवसाय की वृद्धि के साथ बढ़ते हैं तथा फ्रिक्शन को दूर करते हैं।

## खडे.ट्रक से टकराई कार, तीन की मौत

कुरावली (उत्तरशक्ति)। यूपी के मैनपुरी स्थित कुरावली थाना क्षेत्र में रविवार की दोपहर नेशनल हाइवे पर सराय लतीफ के पास बाइक सवारों को रौंदने के बाद वैगनआर कार खडे.ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे मे वैगनआर चालक व बाइक सवार मां बेटी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायल बाइक सवार पिता पुत्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाए हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लिया है। नेशनल हाइवे पर रविवार की दोपहर वैगनआर कार ने सामने से आ रहे बाइक सवारों को चपेट में ले लिया। इसके बाद अनियंत्रित हुई वैगनआर सड़क किनारे खडे.ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैगनआर चला रहे 45 वर्षीय मटरु दयाल निवासी खनवा शंकरपुर थाना पाली जनपद हरदोई की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने जब बाइक सवारों के पास जाकर देखा तो दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। बाइक चला रहे युवक व बच्चा गंभीर रूप से घायल था। सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने 50 वर्षीय सोना निवासी नगला घनी थाना कुरावली, पुत्री मीना निवासी गांव मानिकपुर हाथरस को मृत घोषित कर दिया। घायल केसर निवासी मानिकपुर व एक वर्षीय पुत्र का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कराया।

## पुरानी रंजिश को लेकर भिड़े दो पक्ष, शांतिभंग में दोनों का चालान

सोनभद्र। पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में कोतवाली पहुंचे दो पक्ष पुलिस के सामने ही भिड़ गए। दोनों पक्षो में तीखी नोकझोंक और विवाद की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उनका चालान कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के चिंगोरी गांव में दो पक्षो के बीच पुरानी रंजिश में मारपीट हुई थी। सूचना पर शिवद्वार चौकी इंचार्ज रामज्ञान यादव मौके पर पहुंचे। प्रकरण से जुड़े आरोपी घर पर नहीं मिले। शिकायत करने वाले और आरोपी पक्ष के घर वालों को बताया गया कि कोतवाली पर दोनों पक्षों को उपस्थित कराया जाए। इसके बाद दोनों पक्ष कोतवाली पर मौजूद हुए बताते हैं कि यहां मुकदमे की बात को लेकर दोनों पक्ष आपस में विवाद करने लगे। गाली-गलौज के बाद मारपीट पर आमादा हो गए। मना करने पर मान नहीं रहे थे। मामले में तत्परता दिखाते हुए सत्यम और कृष्ण कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

## रोडवेज बस का टायर फटा, एक महिला की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कंधरापुर थाना क्षेत्र के बल्देव मंदुरी पेट्रोल पंप के पास शनिवार की शाम तेज रफ्तार अनुबंधित बस का पिछला टायर फट गया। इससे बस डिवाइडर पार कर खेत में चली गई। हादसे में बस में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया। पुलिस के साथ ही आसपास के गांवों के लोग राहत बचाव कार्य में जुट रहे। हादसे के आधे घंटे बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक कंधरापुर थाना क्षेत्र के बल्देव मंदुरी पेट्रोल पंप के पास शनिवार शाम साढ़े पांच बजे बसखारी से मऊ जा रही अनुबंधित रोडवेज बस के पीछे के दाएं तरफ का टायर फट गया। इसके चलते बस डिवाइडर पार कर दूसरी पटरी से होते हुए खेत में चली गई। हादसे में मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मिल्लतनगर निवासी समीना खातून (55) की मौके पर ही मौत हो गई। मुबारकपुर के शायरा बानो (17), जहानागंज के धनहुआं के संजय लाल (45), मऊ के कोपागंज के धवरिया शाह निवासी अजीत (33), मुहम्मदाबाद के चालिसवां निवासी राजेश (23), गाजीपुर के देवकली गांव निवासी शैलेश यादव (28), शहर कोतवाली क्षेत्र के कोल बाज बहादुर निवासी ममता याादव (32), गोरखपुर के गोना बाजार निवासी रामू प्रसाद (45) व शाहजहांपुर के रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर निवासी आशुतोष त्रिपाठी (30) घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष केके गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। बस में 30 लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ सदर गौरव शर्मा, शहर कोतवाली शशि मौली पांडेय, बलरामपुर पुलिस चौकी इंचार्ज सहित अन्य थानों की पुलिस अस्पताल में पहुंच गई।

## शैक्षिक सफलता की उड़ान: सनबीम स्कूल जौनपुर के छात्रों ने बढ़ाया विद्यालय व जिले का मान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सनबीम स्कूल जौनपुर के छात्रों ने इस वर्ष के बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। कक्षा 12वीं में कुँवर दिव्यांश ने 92.6% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनके पीछे तान्वी मिश्रा ने 91.6% और अदिति यादव ने 90.6% अंक प्राप्त कर विद्यालय की श्रेष्ठता को बरकरार रखा।कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में भी छात्रों ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

विद्यालय का कक्षा 10 का परिणाम 100% रहा, और गौरव की बात यह रही कि 24 से अधिक छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। इस वर्ग में पार्थ सारथी ने 98% अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। वैभवी कुमारी ने 97.6% और शुभी मिश्रा ने 97.4% अंकों के साथ शीर्ष प्रदर्शन किया।इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. हरिंदर सिंह ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में विद्यालय में उपस्थिति दर्ज की और छात्रों को प्रेरणादायक शब्दों से संबोधित किया।

उन्होंने कहा, ₹बच्चों की यह सफलता केवल उनके परिश्रम का ही नहीं, बल्कि शिक्षक व अभिभावकों के समर्पण का परिणाम है। यही विद्यार्थी भविष्य में हमारे समाज और देश का गौरव बनेंगे।विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मोनिका सिंह, निदेशिका श्रीमती शुभा सिंह, तथा कोऑर्डिनेटर्स जैस्मिन फातिमा, नीतू सिंह, आनाम और विशाल सेठ सहयोगी रंजीत गुप्ता ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।प्राचार्या मोनिका सिंह ने कहा, ₹यह परिणाम छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतीक है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।इस शानदार प्रदर्शन से सनबीम स्कूल जौनपुर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि उत्कृष्टता की ओर उसका सतत प्रयास जारी है।

## घरों के काम के अलावा देश और समाज हित में भी कार्य करने की जरूरत: रियाजुल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज़िले की लावारिश लाश इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष रियाजुल हक का सम्मान समारोह इस्तकबालिया जलसा हजरत मोहम्मद फाजिल शाह (र.अ.) चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि रियाजुल हक ने कहा कि हम अपने घर के लिए जैसे सब काम करते हैं वैसे ही हमारा दायित्व अपने समाज और देश के लिए भी बनता है हमको अपने घरों के काम के अलावा अपने समाज के उत्थान वह देश हित में भी कार्य बढ़कर भी करना चाहिए इस मौके पर अरशद कुरैशी ने कहा कि जो लोग भी समझ में प्रदर्शित में काम करते हैं उनका समय-समय पर स्वागत अभिनंदन करके उनकी हौसला अफजाई करनी चाहिए ताकि उनका उत्साह वर्धन होता रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष नूर कुरैशी ने भी आए हुए सभी लोगों का जो अभिनंदन किया। हजरत मोहम्मद फाजिल शाह (र.अ.) चैरिटेबल ट्रस्ट सहित समस्त कुरैशी समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## ड्रीमलैंड प्रदर्शनी मेले का हुआ भव्य उद्घाटन, राज्य मंत्री गिरीश के हाथों हुआ आगाज

रियाजुल हक/डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के बीआरपी कालेज मैदान में शनिवार की शाम ड्रीमलैंड प्रदर्शनी मेले का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री ने मेले का शुभारंभ करते हुए आयोजनकर्ताओं की सराहना की और कहा कि ऐसे मेले न केवल मनोरंजन का साधन बने हुए हैं, बल्कि स्थानीय व्यापार और संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जाता है।

**आयोजनकर्ताओं की अनूठी पहल**

ड्रीमलैंड प्रदर्शनी मेले के आयोजनकर्ता आनंद त्रिपाठी और शिवशंकर सिंह ने बताया कि यह मेला जनपदवासियों के लिए मनोरंजन और खुशी का विशेष अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा, हमने जनपद के लोगों को बड़े महानगरों जैसे झूले और सुविधाएं प्रदान करने की कोशिश की है। मेले में सबसे बड़ा आकर्षण रेंजर झूला है, जो पहली बार जौनपुर के लोगों को एक अलग ही आनद अनुभव करने का अवसर देगा।

**मनोरंजन और झूलों का रोमांच**

मेले में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए कई झूले उपलब्ध हैं, जिनमें डबल डिस्क झूला, टॉय ट्रेन, और अन्य छोटे-बड़े झूले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एफिल टॉवर और शिमला बीम सिटी थीम पर आधारित सेल्फी पॉइंट बनाए गए हैं, जो युवाओं और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। मेले में मनाली थीम पर आधारित फुहारें भी आकर्षण का केंद्र बने हुई हैं, जो गर्मी के मौसम में ठंडक का एहसास कराती हैं।

**गृहणियों और बच्चों के लिए विशेष आकर्षण**

गृहणियों के लिए सौंदर्य प्रसाधन, परिधान, घरेलू सामान और बर्तन की दुकानों का भी आयोजन किया गया है, हो सस्ते और टिकाऊ है। इसके अलावा, बच्चों के लिए खिलौनों और खेलों की विशेष स्टॉल लगाई गई हैं। व्यंजनों के शौकीनों के लिए मेले में फास्ट फूड सेंटर और विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध हैं।

**मेला क्षेत्र में सुरक्षा और समय-सारणी**

ड्रीमलैंड प्रदर्शनी मेला प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि मेले की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, स्थानीय पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया गया है।

जनपदवासियों के लिए अपील

आयोजनकर्ताओं ने जनपदवासियों से अपने परिवार और बच्चों के साथ मेले में आने की अपील की है। मेले में प्रवेश इंडियन एयरलाइंस थीम पर बनाए गए मुख्य द्वार से होगा, जो स्वयं में आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि इस मेले के स्वयं में आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से जनपदवासियों को आनंद और मनोरंजन प्रदान करने का हमारा पूरा प्रयास है।

**जिला प्रशासन का सहयोग**

मेला आयोजकों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह भव्य मेला संभव हो पाया है। ड्रीमलैंड प्रदर्शनी मेला जौनपुरवासियों के लिए न केवल मनोरंजन का केंद्र है बल्कि यह एक ऐसी पहल है जो लोगों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल पैदा कर रही है लोगों को चाहिए कि वे समय निकाल कर खुद और अपने परिवार को इस मेले का आनंद जरूर दिलाए।

## राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन द्वारा दिव्यागजनों का किया गय नि :शुल्क दाँतो का परीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दिव्यागजनों के निःशुल्क दंत परीक्षण हेतु डॉ.शुभम श्रीवास्तव ने लगाया कैंप दंत स्वास्थ्य के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए। डॉक्टर शुभम श्रीवास्तव व डॉक्टर सृष्टि सिन्हा ने आज सिन्हा डेंटल हास्पिटल, उमरपुर, रुहट्टा में 30 से ज्यादा दिव्यांग बच्चों के दांतों का निःशुल्क परीक्षण किया। यह नेक पहल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों दिव्यांग के लिए मौखिक स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के उनके समर्पण का हिस्सा थी।इस कार्यक्रम का आयोजन राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन, रुहट्टा, जौनपुर के सहयोग से किया गया था और इसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों को दंत स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना था। डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि ने प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट जरूरतों का ध्यान रखते हुए धैर्यपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ दंत परीक्षण किए। उन्होंने मौखिक स्वच्छता बनाए रखने और दंत समस्याओं को रोकने के बारे में बहुमूल्य मार्गदर्शन भी प्रदान किया।डॉक्टर शुभम ने कहा,विशेष या दिव्यांग बच्चों को अक्सर अपनी विशेष जरूरतों के कारण दंत चिकित्सा देखभाल तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा समावेशी वातावरण बनाना है जहाँ हर बच्चा स्वस्थ मुस्कान का हकदार हो।डॉक्टर सृष्टि ने कहा, हम इन बच्चों और उनके विद्यालय परिवारों से मिले प्यार और समर्थन से अभिभूत हैं। उनके चेहरे पर मुस्कान देखना हमारे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।आयोजन में भाग लेने वाले बच्चों के साथ राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन के संस्थापक डॉ.राजेश कुमार व मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी के प्रणेता प्रदीप मिश्र ने डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस तरह की समर्पित सेवा प्रदान करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।डॉक्टर शुभम और डॉक्टर सृष्टि नियमित रूप से इस तरह के परोपकारी कार्य करते रहते हैं, जिससे समाज के वंचित वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा देखभाल पहुँचाई जा सके। उनकी यह पहल दूसरों को भी प्रेरित करती है कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएँ। डॉ. शुभम श्रीवास्तव व डॉ.सृष्टि सिन्हा ने सभी दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क टुथ ब्रश,पेस्ट, माउथ वाश, सर्टिफिकेट ,बेटाडीन मेडिसिन तथा सभी बच्चों को बिस्किट टॉफी समोसा इत्यादि वितरित किए और दांतों का चेकअप एवं दांतों की सफाई किए।एवं कुछ बच्चों ने गीत गाया ,विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा ने दन्त परीक्षण में अतुलनीय सहयोग किया। संस्था के कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्त ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर विपुल विश्वकर्मा अधिवक्ता , भूतपूर्व प्रशासनिक अधिकारी सीएमओ कार्यालय ऑफिस के संतोष श्रीवास्तव संस्था की सचिव किरन डॉ राजेश कुमार गुप्ता और हॉस्पिटल कर्मचारी गण इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

## शादी के एक महीने बाद युवक ने लगाया फंदा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनभद्र के अनपरा थानाक्षेत्र के परियोजना के आवासीय परिसर के कमरे में एक कर्मचारी का शव पंखे में दुपट्टे के सहारे लटकता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। जौनपुर निवासी अमित यादव (25) पुत्र अनिल स्थानीय थानाक्षेत्र के निजी परियोजना में इंजीनियर के पद पर नौकरी करता था। शनिवार की देर रात वह दोस्तों संग एक शादी के कार्यक्रम में गया हुआ था। वहां से सभी भोर में लौटे। देर होने के कारण घर न जाकर वह अपने दोस्त के यहां बाहर वाले कमरे में सो गया। सुबह होने पर जब उस घर के लोग उठे तो देखा कि अमित पंखे में दुपट्टे के सहारे झूल रहा था। घटना की सूचना परिजनो को दी गई। सूचना पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस भी मौके पर पहुंची।युवक को फंदे से उतारकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल में छः दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन

### विराज मिस्टर और नैंसी मिस ज्ञाना चुने गए

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल द्वारा बसंती देवी आईटीआई परिसर में आयोजित छः दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन हुआ। इस समर कैंप में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण क्राफ्ट, डांस, गेम्स और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रहे। ट्रेनर रविकांत जायसवाल ने बच्चों को मोबाइल की लत से मुक्ति के बारे में ट्रेनिंग दी और डॉ रुचि मिश्रा और जाह्नवी मिश्रा ने गुड टच बैड टच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विद्यालय के निदेशक दिवाकर मिश्र ने आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ की तारीफ की। प्रधानाचार्य डॉ अनामिका मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन सफल रहा और आगे भी इस तरह के आयोजन विद्यालय में होते रहेंगे।कार्यक्रम में विराज गुप्ता को मिस्टर ज्ञाना और नैंसी अग्रहरि को मिस ज्ञाना के खिताब से नवाजा गया। सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को सर्टिफिकेट एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंतिम दिन विद्यालय प्रबंधक डॉ राजकुमार मिश्र ने पौधारोपण किया। विद्यालय स्टाफ सिमरन अग्रहरि, ज्योति, रागिनी, मुस्कान, वंशिका, मंजू, अजय, रतन, सलीम आदि ने कैंप को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में सुविधाएं बढ़ेंगी, मंडलायुक्त ने दिए वैकल्पिक प्रवेश और मल्टीलेवल पार्किंग के निर्देश

वाराणसी। बीएचयू स्थित ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे मंडलायुक्त एस. राजालिंगम ने मरीजों और तीमारदारों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने ट्रॉमा सेंटर परिसर में चल रही विकास परियोजनाओं का जायजा लिया और निर्माणाधीन ₹आहार गृह₹ का निरीक्षण किया। ट्रॉमा सेंटर के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. सौरभ सिंह ने मंडलायुक्त को अस्पताल की व्यवस्था, मरीजों की संख्या और अब तक किए गए सुधारों की जानकारी दी। मंडलायुक्त ने सेवा दान आरोग्य फाउंडेशन द्वारा सीएसआर के तहत बनाए जा रहे ₹आहार गृह₹, जो तीमारदारों के लिए भोजनालय और रसोई सुविधा देगा, का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण में आ रही तकनीकी समस्याओं, जैसे सीवर लाइन की बाधा और भवन के रियलाइन्मेंट की जरूरत पर चर्चा हुई। इसके समाधान के लिए मौजूदा सुलभ शौचालय को एंबुलेंस पार्किंग क्षेत्र में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया गया, जिसे मंडलायुक्त ने मंजूरी दी। प्रो. सिंह ने ट्रॉमा सेंटर में पार्किंग की कमी को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि आने वाले समय में क्रिटिकल केयर ब्लॉक, नर्सिंग होस्टल और आहार गृह चालू होने से वाहन संख्या बढ़ेगी। इस पर मंडलायुक्त ने मल्टीलेवल पार्किंग की संभावना तलाशने और योजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य प्रवेश द्वार पर हो रहे अतिक्रमण से एंबुलेंस को मुड़ने में हो रही दिक्कत की ओर ध्यान दिलाया गया, जिस पर मंडलायुक्त ने जल्द कार्यवाही का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही, बीएचयू मुख्य गेट पर लगने वाले जाम से राहत के लिए वैकल्पिक प्रवेश द्वार विकसित करने पर सहमति जताई। निरीक्षण के अंत में प्रो. सौरभ सिंह ने ट्रॉमा सेंटर की सेवाओं में सहयोग और सक्रिय भागीदारी के लिए मंडलायुक्त का आभार जताया।